दैनिक
छत्तीसगढ़ गौरव

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026
website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 336 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये
मंगलवार 30 दिसंबर 2025
डाक- बुधवार 31 दिसंबर 2025
chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

बांग्लादेश के पिरोजपुर में अब भीड़ ने हिंदू घर में आग लगाई

ढाका,30 दिसंबर। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक खासकर हिंदू आबादी के खिलाफ हमलों का सिलसिला जारी है। अब खबर आई है कि पिरोजपुर जिले के दुमरितोला गांव में भीड़ ने एक हिंदू परिवार को निशाना बनाया और उनके घर में आग लगा दी। घटना 27 दिसंबर की बताई जा रही है। हमलावरों ने कांति साहा के घर के एक कमरे में कपड़ा ठूंसकर आग लगा दी, जिससे आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने घटना को लेकर एक्स पर लिखा, जब साहा परिवार सो रहा था, तब उनके घर के पांच कमरे हिंदू-विरोधी जिहादियों द्वारा जला दिए गए। उन्होंने चटोग्राम के रावजान में हुए इसी तरह के हमलों का भी जिक्र किया, जहां तड़के हिंदू घरों में आग लगा दी गई थी, और सवाल उठाया कि क्या हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की हिंसा पूरे देश में बेरोकटोक जारी रहेगी।

पिरोजपुर से पहले चटोग्राम के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर के पास रावजान में एक अन्य हिंदू परिवार के घर में आग लगा दी गई थी। तब परिवार के 8 सदस्य किसी तरह घर से बाहर निकल गए, लेकिन उनका सारा सामान जल गया।

अमित शाह बोले- ममता बंगाल में घुसपैठ नहीं रोक सकतीं

कोलकाता में कहा- हमारी सरकार आई तो परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा

कोलकाता, 30दिसंबर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में भाजपा सरकार बनी तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।

शाह के दौरे का आज दूसरा दिन है। वे यहां राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पहुंचे हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीएमसी के 15 साल के शासन में लोग भयभीत हैं।

शाह ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में विकास की गंगा बहेगी, क्योंकि टीएमसी के शासन में बंगाल का विकास थम गया है। मोदी सरकार देश में गरीबी का उन्मूलन कर रही है। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना लगभग तय है। यहां कुल 294 सीटें हैं, ञ्रस्ष्ट की सरकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं।

बंगाल में घुसपैठ पर: बंगाल की जनता घुसपैठियों से त्रस्त है। कोई सरकार ऐसी हो सकती है कि जो घुसपैठियों की पनाहगार बने। ये राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। ये बंगाल नहीं, पूरे देश की सुरक्षा का मामला है। इसे केवल राष्ट्रवादी सरकार यानी भाजपा की सरकार ही तय कर सकती है।

महिला सुरक्षा पर: बंगाल सरकार महिलाओं को उनका अधिकार देने में विफल रही है। संदेशखाली, आरजी कर समेत और भी मामले हैं। ममता सरकार इन्हें सुरक्षा देने में विफल रही है।

हिंदुओं की स्थिति पर: अब मरहम लगाने से कुछ नहीं होता है। बंगाल के हिंदुओं के दिल पर गंभीर घाव हो गया है। अब ममता सरकार के जाने का समय हो गया है। जनता भी चाहती है कि हम इस सांप्रदायिक सरकार को हटा दें।

बंगाल के विकास पर: टीएमसी के शासन में बंगाल का विकास थम गया है। मोदी सरकार देश में गरीबी का उन्मूलन कर रही है। बंगाल में सभी योजनाएं डेड एंड पर पहुंच गई हैं।

2026 चुनाव में जीत पर: 2026 के बंगाल के चुनाव में हमारी सरकार बनेगी। इसका मजबूत आधार हमारे पास है। बीजेपी प्रचंड जीत के साथ सरकार बनाएगी।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन

पाकिस्तान में नजरबंद रहीं, कभी गोलीबारी में बचीं, प्रधानमंत्री बनीं तो भारत का विरोध किया

ढाका, 30दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 6 बजे ढाका में निधन हो गया। वे 80 साल की थीं और पिछले करीब 20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं।

खालिदा कई साल से सीने में इन्फेक्शन, लीवर, किडनी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की परेशानी से जूझ रहीं थीं। उनके परिवार और पार्टी नेताओं ने निधन की पुष्टि की है। वे 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी थीं।

खालिदा जिया का राजनीतिक जीवन काफी उठापटक भरा रहा। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना ने उन्हें नजरबंद कर दिया था। वे जुलाई से दिसंबर तक पाकिस्तानी सेना की कैद में रहीं थीं। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान की हार के बाद खालिदा जिया को रिहा किया गया। बाद के सालों में भी उनकी राजनीति टकराव, आंदोलनों और हमलों से घिरी रही। साल 2015 में ढाका में मेयर चुनाव के प्रचार के दौरान उनके काफिले पर गोलीबारी और पत्थरबाजी भी हुई थी, जिसमें वे बाल-बाल बचीं थीं।

मुंबई के भांडुप में बस ने 13 लोगों को कुचला:4 लोगों की मौत, 9 घायल

रिवर्स करते समय हादसा, ड्राइवर हिरासत में

मुंबई, 30दिसंबर (एजेंसी)। मुंबई के भांडुप में रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9:35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) की बस से हुआ।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, बेस्ट की बस रिवर्स करते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया।। हादसे के बाद बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और बेस्ट की टीम मौके पर पहुंची।

पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिससे वह गिर गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दर्दनाक हादसा : अल्मोड़ा में खाई में गिरी बस, 7 की मौत-कई घायल, प्रशासन बचाव कार्य में जुटा

अल्मोड़ा, 30दिसंबर (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में आज सुबह एक भयंकर हादसा हो गया। जहां यात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई, जिससे 7 लोगों की मौत हो गई है। हादसा भिकियासैंण-रामनगर मार्ग पर शीलापानी (विनायक क्षेत्र) के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ, जिसकी दूरी भिकियासैंण से लगभग 4 किलोमीटर आगे है। जानकारी के मुताबिक बस में लगभग 12 लोग सवार थे।

बस द्वाराहाट-भिकियासैंण-बासोट होते हुए रामनगर की ओर जा रही थी। हादसे में कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। लेकिन कुछ सुत्रों के हवाले से मृतकों को संख्या 7 हो सकती है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर उपजिलाधिकारी भिकियासैंण याक्षी अरोड़ा, थानाध्यक्ष भतरौंजखान अवनीश कुमार और उप निरीक्षक संजय जोशी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एम्बुलेंस सेवा और आपदा प्रबंधन की टीमें भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी बचाव कार्य में सहयोग किया। घायलों को खाई से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेले में कांग्रेस पार्षद समेत दो लोगों पर चाकू से हमला, पुलिस ने 2 आरोपियों को दबोचा

बालोद, 30दिसंबर (एजेंसी)। जिले से चाकूबाजी की वारदात सामने आई है. दल्लीराजहरा से डौंडीलौहारा के मड़ई मेला देखने पहुंचे कांग्रेस पार्षद समेत 2 लोगों पर चाकू से हमला हो गया. घायलों को गले और सिर पर गंभीर चोट आई है, जिनका फिलहाल अस्पताल में इलाज जारी है.

जानकारी के मुताबिक, दल्लीराजहरा से 6 युवक मड़ई मेला देखने के लिए सोमवार को डौंडीलोहारा गए हुए थे. इस दौरान युवकों की दूसरे गुट से किसी बात पर बहस हो गई. अचानक भरे मेले में आरोपियों ने युवकों पर चाकू से वार कर दिया. हमले में दल्लीराजहरा के वार्ड 16 पार्षद पावेंद्र कोडप्पा और एक अन्य घायल हो गया. उन्हें पेट, गले और सिर पर गंभीर चोट आई है.

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है. वहीं चाकूबाजी की शिकायत पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

अब पंजीकरण के 24 घंटे में पूरी करनी होगी माता वैष्णो देवी यात्रा

जम्मू, 30दिसंबर (एजेंसी)। नव वर्ष समारोह और तीर्थयात्रियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए श्रीमाता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें दोहराया गया है कि तीर्थयात्रा करने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए कटड़ा में यात्रा पंजीकरण अनिवार्य है। श्राइन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कटड़ा पहुंचने पर तीर्थयात्रियों के लिए पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण कदम यात्रा पंजीकरण है, जो कटड़ा बस स्टैंड के पास स्थित यात्री पंजीकरण काउंटर (वाईआरसी) पर किया जाता है। श्रद्धालुओं को आरएफआईडी यात्रा कार्ड प्राप्त होने के 12 घंटों के भीतर अपनी यात्रा शुरू करनी होगी और 24 घंटों के भीतर यात्रा पूरी करके बेस कैंप कटड़ा लौटना अनिवार्य है।

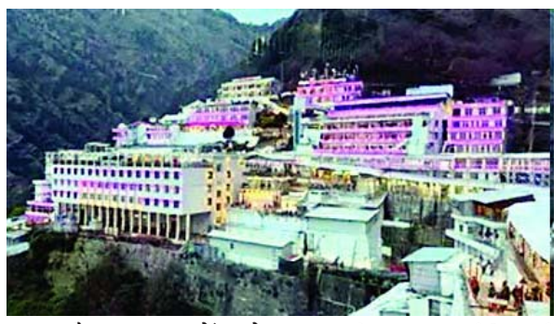

पहले आरएफआईडी कार्ड की वैधता केवल यात्रा शुरू करने तक ही सीमित थी, लेकिन अब पहली बार यात्रा पूरी करने की समय सीमा भी निर्धारित कर दी गई है, जिससे भीड़ प्रबंधन में और सुधार होगा। श्राइन बोर्ड प्रशासन ने बताया कि नव वर्ष की प्रत्याशा में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर साल नव वर्ष से तीन-चार दिन पहले कटड़ा और भवन क्षेत्र में भारी भीड़ जमा हो जाती है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अत्यधिक भीड़भाड़ और भगदड़ जैसी स्थितियों से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कटड़ा रेलवे स्टेशन के पास स्थित यात्रा पंजीकरण केंद्र पर अब रात 12 बजे तक आरएफआईडी कार्ड उपलब्ध रहेगा। पहले यह सुविधा रात 10 बजे तक ही उपलब्ध थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री से मारपीट के मामले में एक्शन, एअर इंडिया एक्सप्रेस का पायलट वीरेंद्र सेजवाल गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट वीरेंद्र सेजवाल को एक यात्री के साथ मारपीट के आरोप में हिरासत में लिया है। यह घटना 19 दिसंबर की बताई जा रही है, जब इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर विवाद हुआ था। घटना के बाद पीड़ित यात्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता अंकित दीवान के मुताबिक, वह अपनी सात वर्षीय बेटी और चार महीने के शिशु के साथ यात्रा कर रहे थे।

वाह वाह

०० एक बूढा आदमी लड़की से टकरा गया

बूढा- सॉरी

लड़की- अंधे हैं क्या, दिखाई नहीं देता

इतना कहकर लड़की जैसे ही आगे बढ़ी एक हैंडसम लड़का

उस लड़की से टकरा गया

लड़का- सॉरी

लड़की- इट्स ओके

यह देख बूढा आदमी लड़की से बोला- मेरी सॉरी की स्पेलिंग

गलत थी क्या?

गांधी परिवार में जल्द बजेगी शहनाई, प्रियंका गांधी के बेटे रेहान ने गर्लफ्रेंड अवीवा बेग से की सगाई

नई दिल्ली, 30दिसंबर (एजेंसी)। देश की राजनीति के सबसे चर्चित परिवारों में शुमार गांधी परिवार में एक बार फिर खुशियों का माहौल है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी गर्लफ्रेंड अवीवा बेग के साथ सगाई कर ली है। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, रेहान और अवीवा पिछले करीब सात साल से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में हैं। हाल ही में रेहान ने अवीवा को शादी के लिए प्रपोज किया था, जिसे लेकर दोनों परिवारों की सहमति के बाद सगाई का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बेहद सादगी और निजी तौर पर किया गया, जिसमें परिवार के सदस्य और कुछ करीबी लोग ही शामिल हुए। अवीवा बेग का परिवार दिल्ली में रहता है। बताया जा रहा है कि सगाई समारोह को पूरी तरह निजी रखा गया था और किसी तरह की सार्वजनिक चर्चा से दूर रखा गया। 24 वर्षीय रेहान वाड्रा पेशे से इंस्टॉलेशन और विजुअल आर्टिस्ट हैं। वे 'डार्क परसेप्शन' नाम से अपनी सोलो एग्जीबिशन कर चुके हैं। उन्हें नेचर फोटोग्राफी और घूमने का शौक है। कला और रचनात्मकता के प्रति उनका खास झुकाव रहा है, जबकि राजनीति और सार्वजनिक लाइमलाइट से वे अब तक दूरी बनाए हुए हैं।

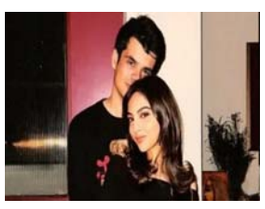

रेहान ने अपनी शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में की, इसके बाद देहरादून और लंदन से आगे की शिक्षा हासिल की। वे सार्वजनिक कार्यक्रमों में बहुत कम नजर आते हैं और फिलहाल राजनीति में कदम रखने को लेकर भी कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है।

हड़ताल पर 4.5 लाख से ज्यादा सरकारी अधिकारी-कर्मचारी

कामकाज ठप्प, दफ्तर सूने और जनता बेहाल

रायपुर, 30दिसंबर (एजेंसी)। प्रदेश में सोमवार से शुरू हुई तीन दिवसीय हड़ताल ने सरकारी तंत्र की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। छत्तीसगढ़ कर्मचारी एवं अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर करीब 4 लाख 50 हजार शासकीय कर्मचारी-अधिकारी काम छोड़कर आंदोलन में उतर आए।

पहले ही दिन राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में असर इतना गहरा दिखा कि कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर निगम से लेकर स्कूल और अस्पताल तक कामकाज लगभग ठप नजर आया। दफ्तरों में कुर्सियां खाली रहीं और अपने जरूरी काम लेकर पहुंचे लोग निराश होकर लौटते रहे। नईदुनिया टीम ने रायपुर के तहसील, कलेक्टर कार्यालय, नगर निगम और प्रमुख अस्पतालों की पड़ताल की। अधिकांश कार्यालय खुले जरूर थे, लेकिन अंदर सन्नाटा पसरा रहा। हड़ताल का असर सिर्फ दिखा ही नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी साफ नजर आया। राजस्व न्यायालयों में आज सुनवाई के लिए कुल 6478 प्रकरण तय थे। इनमें से केवल 1811 प्रकरणों की ही सुनवाई हो सकी। 4667 प्रकरण बिना सुनवाई के शेष रह गए।

इसी तरह रजिस्ट्री कार्यालयों में सोमवार को 325 दस्तावेजों के लिए ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट दिए गए थे, लेकिन एक भी दस्तावेज की रजिस्ट्री नहीं हो सकी। रायपुर तहसील और कलेक्टर कार्यालय खुले रहे, पर आवेदकों को पेशी के लिए बुलाए जाने के बावजूद किसी भी प्रकरण में सुनवाई नहीं हो पाई। फेडरेशन महंगाई भत्ता, चार स्तरीय वेतनमान, 300 दिन का अर्जित अवकाश नकदीकरण सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है।

बालको द्वारा आयोजित किसान मेला से कृषि नवाचार को मिला बढ़ावा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने किसान दिवस के अवसर पर जिले के बेला और सोनगुढ़ा गांव में किसान मेला-2025 का आयोजन किया। इस मेले में 40 गांवों से आए 750 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि और कृषि उद्यमी भी शामिल हुए। यह मेला किसानों के लिए आधुनिक खेती और सतत आजीविका से जुड़ी जानकारी साझा करने का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम साबित हुआ।

बालको ने यह आयोजन बायफ, सतत आजीविका एवं विकास संस्थान के सहयोग से किया। मेले में कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, पशुपालन और फसल बीमा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों पर चर्चा और प्रदर्शन किए गए। बालको की 'मोर जल मोर माटी' परियोजना के तहत किसानों को वितरित किए गए कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई। नकटीखार स्थित हाई-टेक नर्सरी से जुड़े स्टॉल में गुणवत्तापूर्ण पौधों की जानकारी दी गई।

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के स्टॉल में किसानों को समूह बनाकर काम करने और बाजार से जुड़ने के लाभ बताए गए। इसके अलावा मारुत ड्रोन, क्रॉम्पटन मोटर, बिड़ला पाइप, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के स्टॉल्स के माध्यम से आधुनिक तकनीक, सिंचाई समाधान, सरकारी योजनाओं और कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका बहुत अहम है। बालको में हम केवल तकनीक या प्रशिक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों को आय के नए अवसर और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर काम कर रहे हैं। 'मोर जल मोर माटी' जैसी पहल के जरिए हम कृषि, बागवानी और पशुपालन को लाभकारी आजीविका के रूप में बढ़ावा दे रहे हैं।

रोगबहरी गांव के किसान अर्जुन कंवर ने कहा बताया कि बालको के सहयोग से मेरी खेती में बड़ा बदलाव आया है। प्रशिक्षण से मुझे बेहतर खेती, उत्पादन को बढ़ाना और लागत में कमी के साथ आदि जरूरी बातें सीखने को मिला। इस साल बेहतर खेती अपनाने के लिए मुझे सम्मान भी मिला, जिससे मुझे और आगे सीखने व दूसरे किसानों को प्रेरित करने की ताकत मिली। मोर जल मोर माटी परियोजना जल प्रबंधन, बहुफसली खेती, बागवानी और पशुपालन को बढ़ावा देती है। यह परियोजना 3,200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 8,000 से ज्यादा किसानों तक पहुंच चुकी है। अब तक 6,000 से अधिक किसानों ने आधुनिक खेती के तरीके अपनाए हैं, जिससे उनकी आमदनी और उत्पादन में वृद्धि हुई है। लगभग 25 प्रतिशत लाभार्थी युवा किसान हैं, जो यह दिखाता है कि खेती को आजीविका के रूप में अपनाने में युवाओं की रुचि बढ़ रही है। सरकारी योजनाओं और संस्थागत सहयोग से किसानों को जोड़कर बालको ग्रामीण आजीविका को मजबूत कर रहा है और छत्तीसगढ़ में टिकाऊ कृषि विकास को बढ़ावा दे रहा है। यह पहल दिखाती है कि ज्ञान, नवाचार और सहयोग से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

धान खरीदी केंद्रों का मिर्धा ने किया औचक निरीक्षण

अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रामपुर विधानसभा प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) ध्रुव कुमार मिर्धा ने विकासखंड करतला अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित फरसवानी एवं कोथारी स्थित धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री मिर्धा ने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान किसानों द्वारा धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग रखी गई, जिस पर श्री मिर्धा ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। धान खरीदी केंद्रों में मौजूद किसानों ने प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा सुचारू रूप से संचालित धान खरीदी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर नरेंद्र बिंझवार, झामलाल साहू, लेखराम सोनवानी, खिलवान मन्नेवार, अकादशी, हरी सोनवानी, सतीश राठौर, रामनाथ कश्यप, ओमप्रकाश मिर्धा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एसईसीएल कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

कोरबा। गेवरा दीपका के शराब दुकान परिसर के अहाता में सोमवार को शराब पीने के लिए पहुंचे एक एसईसीएल कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मामले में पुलिस जांच कर रही है। दीपका थाना क्षेत्र में निवासरत एसईसीएल कर्मी कृष्णा कुमार निराला (57) गेवरा परियोजना में कार्यरत था। सोमवार सुबह 10 बजे वह दीपका स्थित शराब दुकान परिसर पहुंचा था। जहां अहाता में दोपहर 12.30 बजे निराला की मौत हो गई। घटना की सूचना दीपका पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मृतक के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। मामले में मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि निराला नियमित रूप से शराब पीने के लिए शराब दुकान पहुंचता था। उसे मिर्गी के झटके भी आते थे। पुलिस के मुताबिक एसईसीएल कर्मी की मौत की वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर चलेगा।

जनदर्शन में करण और मीना को मिला व्हीलचेयर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर जनदर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता रही है। इसी क्रम में आज कलेक्टर जनदर्शन के दौरान ग्राम पोटापानी, जनपद पंचायत पाली के निवासी करण श्रीवास एवं मीना श्रीवास द्वारा व्हीलचेयर की मांग प्रस्तुत की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर के समक्ष अपनी आवश्यकता रखते ही मामले पर तत्काल संज्ञान लिया गया।

समाज कल्याण विभाग, कोरबा द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई और जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग तथा अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, सयुंक्त कलेक्टर ओंकार यादव, डिप्टी कलेक्टर तुलाराम भारद्वाज की उपस्थिति में दोनों हितग्राहियों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। कलेक्टर जनदर्शन में कुल 86 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आमनागरिको की समस्याओं को सुना गया।

किसान-हितैषी नीतियों का प्रतिफल : साय सरकार की धान खरीदी व्यवस्था से किसानों में संतोष, खेती बनी लाभ का आधार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले किसान वर्ग को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निरंतर ठोस और प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में संचालित धान खरीदी व्यवस्था न केवल देश में सर्वाधिक समर्थन मूल्य प्रदान कर रही है, बल्कि टोकन से लेकर अंतिम विक्रय और भुगतान तक किसानों को हर स्तर पर सुविधा, पारदर्शिता और सम्मान का अनुभव करा रही है।

राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसान अपनी उपज बेचने के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा, लंबी प्रतीक्षा या अव्यवस्था का सामना न करें। इसी उद्देश्य से समिति स्तर पर टोकन व्यवस्था, मंडियों में सुव्यवस्थित प्रबंधन, सहयोगी वातावरण और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

कोरबा जिले के कनकी धान मंडी में ग्राम गुमिया निवासी कृषकजमुना प्रसाद बियार इस सुगठित व्यवस्था के प्रत्यक्ष लाभार्थी बने। श्री बियार ने अपनी लगभग 06 से 07 एकड़ कृषि भूमि में उपजाए गए 104 क्विंटल धान का विक्रय मंडी में किया। उन्होंने बताया कि ऑफलाइन समिति के माध्यम से उन्हें बिना किसी लाइन में लगे और बिना किसी परेशानी के समय पर टोकन प्राप्त हो गया, जिससे मंडी में धान विक्रय की प्रक्रिया सहजता से पूरी हुई।

श्री बियार ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने 110 क्विंटल धान का विक्रय किया था और उस समय भी शासन की व्यवस्था संतोषजनक रही। सरकार द्वारा सर्वाधिक समर्थन मूल्य दिए जाने से उन्हें अपनी फसल का उचित और लाभकारी मूल्य मिलने का पूरा भरोसा है। उनके अनुसार, वर्तमान व्यवस्था ने खेती को केवल आजीविका का साधन ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक और सुरक्षित भविष्य का आधार बनाया है। धान खरीदी की पारदर्शी और किसान-मैत्री व्यवस्था से न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। समय पर खरीदी, स्पष्ट प्रक्रिया और सहयोगपूर्ण वातावरण ने किसानों में शासन के प्रति विश्वास को और सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की यह पहल स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि राज्य सरकार किसानों के श्रम का सम्मान करने, उनकी आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। धान खरीदी की यह सुव्यवस्थित प्रणाली छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और किसान कल्याण की मजबूत नींव को दर्शाती है।

राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज किसी काम की वजह से यात्रा करनी पड़ सकती है जिसके अच्छे रिजल्ट आपको भविष्य में देखने को मिलेंगे। आज सरकारी कामों को लापरवाही के कारण अधूरा न छोड़ें अन्यथा पेनाल्टी भी लग सकती है। इस राशि के जो लोग पार्टटाइम जॉब करना चाहते हैं उनके लिए लाभ के शुभ योग हैं। अपने ऑफिसीयल डाक्यूमेंट्स को संभालकर रखें।

वृष राशि: आज आपका दिन उत्तम है। आप जिस काम को पूरा करने का अथक प्रयास काफी दिनों से कर रहे थे वो आज पूरा हो जायेगा। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप किसी से अपने मन की बात शेयर करेंगे वह आपकी बात को जरूर समझेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आप अपने दोस्त की आर्थिक स्थिति में मदद करेंगे। आज पूरी मेहनत व एकाग्रता से अपने काम को करने का समय है, आपके काम में जल्द ही सफलता के योग बन रहे हैं। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने से, आपके मन में रचनात्मक कार्य करने की इच्छा होगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशी के पल लेकर आया है। आप किसी जरूरतमंद की सहयता करेंगे, आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के जो लोग स्पोर्ट्स के फ़ील्ड से जुड़े हैं उनको आज अपने कोच से ज्यादा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप साहसिक कार्य करेंगे जिसमे आपकी सराहना होगी। आपके दैनिक कार्यों को पूरा करने में परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लेकर आया है। आज आपके विवेक से आपका काम बन जायेगा। आज किसी काम में पारिवारिक सदस्यों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सुकून भरा रहने से काम करने के तरीको में सुधार होगा। आज जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। इस राशि के जो छात्र हैं वो आज अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आपकी किसी समस्या का समाधान हो जायेगा। पुरानी बातों को भूलकर नयी बातों की तरफ ध्यान देंगे। आज भागदौड़ भरी जिंदगी से समय निकालकर परिजनों के साथ कुछ समय बिताएंगे, आपको खुशी मिलेगी।

तुला राशि: आज आपका दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा आपके काम में माता-पिता का सहयोग मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा । बच्चों के सक्सेस से खुशी मिलेगी और बच्चों में भी कॉन्फिडेंस बना रहेगा ।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन सुनहरा रहेगा। ऑर्गेनिक फूड का बिजनेस कर रहे लोगों को आज लाभ मिलेगा। आज आलस्य को त्याग कर कुछ नया करने का दिन है। इस राशि के जो लोग सामाजिक सेवा क्षेत्र से जुड़े हैं, उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा आज सामाजिक कार्य करेंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज शाम आप दोस्त के घर डिनर के लिए जाएंगे जहां हंसी खुशी का माहौल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। इस राशि की जिन महिलाओं को बिजनेस शुरू करना है, उनको घरवालों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। कुछ छिपे विरोधी अपने काम में अड़चन डाल सकते हैं, परंतु आपका पॉजिटिव अप्रोच आप को मजबूत बनाए रखेगा और काम में आपको सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशि: आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जाने से आपके मन को शांति मिलेगी आप काम के नए टारगेट बनाएंगे । कंपटीशन की तैयारी कर रहे स्टूडेंटस को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलने से सीखने में सहायता मिलेगी। आपकी वजह से किसी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े इस बात का आप ख्याल रखेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। छात्र आज अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे। अगर आपको इंटरव्यू देने जा रहे हैं आज आपकी सफलता के योग बन रहे हैं । आर्थिक स्थिति में दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलने से आपकी परेशानी कम हो जाएगी। न्यूरो प्रॉब्लम से परेशान लोग आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा सकते हैं, आपको जल्द ही राहत मिलेगी। इस राशि के जिन लोगों का इंटरव्यू है उनकी जॉब के योग है। आज आपकी अन्दरूरनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में भी मददगार साबित होगी। व्यापारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा।

नाबालिग का अपहरण , पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

शिकायत लेकर एसपी आफिस पहुंचे परिजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बांगो थाना क्षेत्र से एक स्कूली छात्रा के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शिकायत के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। जिसे लेकर परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है। बांगो थाना अंतर्गत निवासरत यादव परिवार के 15 वर्षीय नाबालिग विगत 23 नवंबर की सुबह से गायब है। मामले में किशोरी के नाना ने परिजनों व ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। जिसमें उन्होंने राहुल यदुवंशी 22 वर्ष ,बांगो थाना अंतर्गत लमना निवासी पूजा महंत पति रोहित महंत पर गंभीर आरोप लगाए है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि नातिन को वह बचपन से पालपोस रहा है। आठवी तक नातिन ने पढ़ाई करने के बाद छोड़ दिया है। विगत 23 नवंबर की सुबह 10 बजे भैस चराने के लिए वह गई थी।

आरोपीगण बहला फुसला कर उसे अपने साथ ले गए। वह बचपन से ही पूजा महंत के घर आना जाना करती थी। जिस स्कूल में उसकी नातिन पढ़ती थी उस स्कूल में पूजा महंत स्वीपर का काम करती थी। उसी के द्वारा नातिन को मोबाईल भी दिया गया था। महिला के द्वारा ही उक्त युवक के साथ जान पहचान कराई गई थी। पूजा महंत और राहुल के द्वारा अपहरण करने का आरोप लगाया गया है। शिकायत लेकर पहुंचे लोगों ने बताया कि इसकी सूचना बांगो थाना में दी गई है। लेनि पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने उक्त दोनों आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए नातिन के सहकुशल वापसी की गुहार एसपी से लगाई है।

ट्रिपल राइडिंग पर विशेष अभियान में 96 दोपहिया वाहनों के काटे गए चालान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा व यातायात अनुशासन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल राइडिंग (तीन सवारी बैठाने) के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नियम विरुद्ध तीन सवारी बैठाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संचालित किया गया।

अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस एवं थाना चौकी स्टाफ द्वारा प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर चेकिंग की गई, जिसमें कुल 96 दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल राइडिंग करते पाए जाने पर चालान की कार्रवाई की गई। अभियान के तहत कटघोरा, बालको और कोतवाली थाना क्षेत्र में अधिकतम 17, 13 और 13 वाहनों का चालान किया गया। ऐसे कृत्य न केवल मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन हैं, बल्कि वाहन की संतुलन क्षमता, ब्रेकिंग व नियंत्रण को प्रभावित कर गंभीर दुर्घटना का कारण भी बनते हैं। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ट्रिपल राइडिंग पर सख्त और निरंतर कार्रवाई की जाएगी, तथा बार बार नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बेहतर मौसम और सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था से खुश किसान -बंजारे ने बेचा 145 क्विंटल धान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा ब्लॉक के ग्राम करुमौहा निवासी किसान किसन बंजारे के चेहरे पर आज संतोष और प्रसन्नता साफ झलक रही थी। उन्होंने धान उपार्जन केंद्र नकटीखार में 145 क्विंटल धान बेचा। लगभग 8 एकड़ भूमि में खेती करने वाले किसन बंजारे ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने 150 क्विंटल धान बेचा था। किसन बंजारे के अनुसार, इस वर्ष समय पर हुई बारिश से उनकी खेती बेहतर रही और जितना धान बोया था, लगभग उतनी ही मात्रा में फसल प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा किसानों के लिए लगातार राहत और सहयोग दिया जा रहा है।

विवादित आदिवासी चरागाह की ज़मीन को लेकर हिंसक प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके। पश्चिम कार्बी आंगलोंग ज़िले में रोक के आदेशों और कड़ी सुरक्षा के बीच, कब्ज़ा करने वालों को हटाने की मांग कर रहे ग्रुप्स और विरोधी ग्रुप्स के बीच झड़पों से तनाव बढ़ गया।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

मुर्शिदाबाद हिंसा के दौरान एक पिता और उसके बेटे की हत्या के मामले में 13 लोगों को उम्रकैद की सज़ा सुनाए जाने के बाद पुलिस मुर्शिदाबाद में आरोपियों को एस्कॉर्ट कर रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस के प्रोबेशनर्स से बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में विकसित भारत जी राम जी योजना पर चर्चा के दौरान महिलाओं और लखपति दीदियों के साथ वर्चुअली बातचीत की। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी भी मौजूद थे।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ पंचकूला में %सतत कृषि में सहकारिता की भूमिका% विषय पर एक सहकारी सम्मेलन में।

शिवसेना (यूटीबी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने मुंबई में होने वाले बीएमसी चुनावों के लिए अपने गठबंधन की घोषणा करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

ढाका में दीपू चंद्र दास की हत्या के बाद तनाव, भारत-बांग्लादेश संबंधों पर पड़ा असर

ढाका,30 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में 27 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेहद क्रूर तरीके से हत्या कर दी गई। इस घटना ने न सिर्फ बांग्लादेश को झकझोर दिया, बल्कि भारत में भी भारी आक्रोश पैदा किया है। इस हत्या के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में और तनाव देखने को मिल रहा है।क्या है पूरा मामला?दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर की रात ढाका-मयमनसिंह हाईवे के पास जामिरदिया दुबलियापारा इलाके में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। इस घटना के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए, जिन्हें देखकर लोग स्तब्ध हैं।कैसे शुरू हुआ विवाद?

एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपू एक फैक्ट्री में काम करता था। उसने हाल ही में फ्लोर मैनेजर से सुपरवाइजर बनने के लिए परीक्षादी थी। इसी को लेकर उसके कुछ सहकर्मियों से विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि 18 दिसंबर की दोपहर दीपू को नौकरी से निकाल दिया गया, उस पर धार्मिक अपमान के आरोप लगाए गए, लेकिन

पुलिस ने कहा कि इन आरोपों का कोई सबूत नहीं मिला। दीपू के भाई आपु रोबी दास ने बताया कि फैक्ट्री में दीपू को बुरी तरह पीटा गया और बाहर निकाल दिया गया। उसने माफी भी मांगी, लेकिन भीड़ नहीं मानी। आपु के अनुसार, एक दोस्त ने पहले फोन कर कहा कि दीपू को पुलिस थाने ले जाया गया है। थोड़ी देर बाद फोन आया कि दीपू की मौत हो गई है। जब परिवार मौके पर पहुंचा, तो दीपू का जला हुआ शव मिला।भारत में क्यों भड़का गुस्सा?इस निर्मम हत्या के बाद भारत के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, भोपाल, जम्मू, हैदराबाद और अगरतला जैसे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की और बांग्लादेशी दूतावासों के पास प्रदर्शन किएदोनों देशों में कूटनीतिक तनावघटना के बाद भारत और बांग्लादेश ने एक-दूसरे के राजनयिकों को तलब किया। बांग्लादेश ने भारत में अपने दूतावास के बाहर हुए प्रदर्शनों और सिलीगुड़ी में वीजा केंद्र में तोड़फोड़ पर चिंता जताई। वहीं भारत ने बांग्लादेश से दीपू दास की हत्या की निष्पक्ष और सख्त जांच की मांग की।

बांग्लादेश सरकार का रुख, पहले से तनावबांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और वे घटना की कड़ी निंदा करते हैं। सरकार की ओर से शिक्षा सलाहकार सी. आर. अबरार ने दीपू के परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताई और मदद का भरोसा दिया। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से ही बांग्लादेश में हालात तनावपूर्ण हैं। हाल ही में एक छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया था।

वैश्विक समुद्री जल स्तर 1.4 मीटर तक बढ़ने का खतरा, तटीय शहरों के भविष्य पर मंडराता संकट

ढाका, 30दिसंबर (एजेंसी)। शोध के अनुसार जब गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी इस ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है तो बर्फ नीचे से तेजी से पिघलने लगती है। इससे बर्फ की चादर कमजोर होती है और उसके टूटने या पीछे हटने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि लगभग 20,300 से 17,600 वर्ष पहले एनईजीआईएस का पहला बड़ा पीछे हटना इसी प्रक्रिया के कारण शुरू हुआ।

ग्रीनलैंड की सबसे विशाल बर्फीली धारा नॉर्थ ईस्ट ग्रीनलैंड आइस स्ट्रीम (एनईजीआईएस) पर महासागर की बढ़ती गर्मी का प्रभाव केवल एक क्षेत्रीय पर्यावरणीय बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्र-स्तर के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। ताजा वैज्ञानिक शोध बताता है कि अतीत में भी एनईजीआईएस का तेजी से पीछे हटना मुख्य रूप से गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी के कारण हुआ था, न कि केवल वायुमंडलीय तापमान बढ़ने से। यह समझ भविष्य के जलवायु मॉडल और समुद्र-स्तर की सटीक भविष्यवाणी के लिए निर्णायक मानी जा रही है।एनईजीआईएस ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर से निकलने वाली सबसे बड़ी आइस स्ट्रीम है। इसमें संचित बर्फ की मात्रा इतनी अधिक है कि यदि यह पूरी तरह पिघल जाए तो वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 1.1 से 1.4 मीटर तक बढ़ सकता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे ग्रीनलैंड की बर्फीली चादर की स्थिरता का सबसे संवेदनशील और निर्णायक हिस्सा मानते हैं। इसकी हलचल सीधे-सीधे तटीय शहरों, द्वीपीय देशों और करोड़ों लोगों के भविष्य से जुड़ी है।न्यूकैसल विश्वविद्यालय और डरहम विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पिछले 20,000 वर्षों के दौरान एनईजीआईएस के व्यवहार का विश्लेषण किया गया। यह अवधि अंतिम हिमयुग के अंत से लेकर आधुनिक काल तक फैली हुई है। शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए हैं।

शोध के अनुसार जब गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी इस ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है तो बर्फ नीचे से तेजी से पिघलने लगती है। इससे बर्फ की चादर कमजोर होती है और उसके टूटने या पीछे हटने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि लगभग 20,300 से 17,600 वर्ष पहले एनईजीआईएस का

पहला बड़ा पीछे हटना इसी प्रक्रिया के कारण शुरू हुआ। उस समय वायुमंडलीय तापमान आज की तुलना में 15 से 20 डिग्री सेल्सियस कम था, यानी वातावरण बेहद ठंडा था। इसके बावजूद बर्फ का पिघलना यह साफ संकेत देता है कि उस दौर में गर्म महासागरीय पानी बर्फ के नीचे तक पहुंच चुका था।

करीब 15,000 वर्ष पहले हालात और अधिक गंभीर हो गए। गर्म अटलांटिक पानी आगे बढ़कर तैरती हुई बर्फीली शेल्फ के नीचे तक पहुंच गया। इसी समय वैश्विक स्तर पर हवा का तापमान भी तेजी से बढ़ने लगा। महासागर की गर्मी और बढ़ते वायुमंडलीय तापमान के संयुक्त प्रभाव ने बर्फ की शेल्फ को कमजोर कर दिया। नतीजतन शेल्फ टूट गई, ग्राउंडिंग लाइन अस्थिर हो गई और एनईजीआईएस ने बेहद तेजी से पीछे हटना शुरू कर दिया। यह अध्ययन ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक और तलछटी रिकॉर्ड में दर्ज बर्फ की शेल्फ टूटने के शुरुआती और सबसे ठोस प्रमाणों में से एक माना जा रहा है।

आज वैज्ञानिक फिर से वही संकेत देख रहे हैं। गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी एक बार फिर ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे तक पहुंच रहा है। यह स्थिति अतीत से मिलती-जुलती है, जब बड़े पैमाने पर बर्फ पिघली थी और समुद्र-स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि मौजूदा जलवायु परिवर्तन की गति इसी तरह बनी रही, तो एनईजीआईएस भविष्य में फिर से अस्थिर हो सकती है और समुद्र-स्तर में तेज़ वृद्धि का जोखिम वास्तविकता बन सकता है।

जेफरी एपस्टीन के नए दस्तावेजों में ट्रंप पर बलात्कार का आरोप, न्याय विभाग ने खारिज किया

वाशिंगटन,30 दिसंबर (एजेंसी)। अमेरिका के दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की जांच के सिलसिले में अमेरिकी न्याय विभाग ने नए दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बलात्कार के आरोप हैं। दस्तावेजों के अनुसार, ट्रंप पर कई साल पहले एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। हालांकि, न्याय विभाग ने इसे सनसनीखेज बताकर खारिज कर दिया है। विभाग ने कहा कि अगर आरोपों में जरा भी सच्चाई होती तो इनका इस्तेमाल ट्रंप के खिलाफ पहले ही हो जाता। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की 27 अक्टूबर, 2020 की एक रिपोर्ट में एक पूर्व लिमोसिन ड्राइवर का बयान दर्ज है, जिसमें उसने 1995 में ट्रंप और एपस्टीन के बीच हुई बातचीत का जिक्र किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अज्ञात महिला ने बताया था कि उसका बलात्कार हुआ है, जिसका जिक्र ट्रंप और एपस्टीन के संदर्भ में था। महिला ने इस संबंध में पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन जनवरी 2000 में उसकी लाश मिली थी।न्याय विभाग ने नए दस्तावेज जारी होने के बाद एक्स पर कहा, कुछ दस्तावेजों में राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ़ झूठे और सनसनीखेज दावे हैं, जिन्हें 2020 के चुनाव से ठीक पहले एफबीआई को सौंपा गया था। ये दावे बेबुनियाद और झूठे हैं, अगर इनमें थोड़ी भी सच्चाई होती, तो इनका इस्तेमाल ट्रंप के खिलाफ़ पहले हो चुका होता। फिर भी, कानून और पारदर्शिता के कारण, विभाग एपस्टीन पीड़ितों के लिए जरूरी सुरक्षा के साथ दस्तावेजों को जारी कर रहा है। न्याय विभाग ने मंगलवार को एपस्टीन से जुड़े 30,000 नई फाइलों को जारी किया है, जिसमें एपस्टीन के निजी जेट के उड़ान के रिकॉर्ड में राष्ट्रपति ट्रंप का उल्लेख है। इसमें बताया गया है कि ट्रंप ने एपस्टीन की निजी जेट से 8 बार उड़ान भरी थी, जिसमें ट्रंप 1993-1996 के बीच 8 उड़ानों में यात्री थे, जिनमें घिसलेन मैक्सवेल के साथ 4 उड़ानें भी शामिल हैं। हालांकि, अधिकारियों ने राष्ट्रपति पर किसी आपराधिक संलिप्तता का आरोप नहीं लगाया है।

ताइवान के आसपास नहीं थम रही चीन की सैन्य गतिविधियां, छह चीनी विमान और आठ युद्धपोत दिखे

ढाका,30 दिसंबर (एजेंसी)। ताइपे चीन की तरफ से ताइवान के आस-पास सैन्य गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, गुरुवार को तड़के सुबह करीब 15 विमान, नौसैनिक जहाज के साथ-साथ एक सरकारी जहाज की मौजूदगी उसकी सीमा के पास दिखी है।ताइवान की समुद्री सीमा के आस-पास चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार जारी है, ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने गुरुवार सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान चीन के छह सैन्य विमानों, आठ नौसैनिक

जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी दर्ज की गई।

दो विमानों ने पार की एडीआईजेड ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन छह विमानों में से दो विमान ताइवान और चीन के बीच मानी जाने वाली मध्य रेखा (मीडियन लाइन) को पार कर गए और ताइवान के उत्तरी तथा दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीआईजेड) में दाखिल हुए। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी गई और आवश्यक जवाबी कदम उठाए गए।इससे एक दिन पहले, बुधवार को भी ताइवान ने इसी तरह की गतिविधियों की जानकारी दी थी। उस दिन पांच चीनी सैन्य विमान, आठ नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास पाए गए थे। इनमें से एक विमान ने मीडियन लाइन पार कर ताइवान के एडीआईजेड में प्रवेश किया था। ताइवान का कहना है कि चीन की ये गतिविधियां उसकी सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हैं और वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सतर्क है।

पेंटागन रिपोर्ट में चीन की विस्तारवादी सोच पर चिंता

इसी बीच, अमेरिका के रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) की एक रिपोर्ट, जो अमेरिकी संसद को सौंपी गई है, ने चीन की व्यापक रणनीति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश को भी अपने तथाकथित मुख्य हितों में शामिल कर लिया है।दक्षिण चीन सागर, सेंकाकू द्वीप समूह पर चीन की नजर

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के 'मुख्य हितों' में अब ताइवान, दक्षिण चीन सागर के समुद्री विवाद, सेंकाकू द्वीप समूह और भारत का अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। चीन का लक्ष्य 2049 तक 'चीनी राष्ट्र के महान पुनरुत्थान' को हासिल करना बताया गया है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि ताइवान समेत विवादित क्षेत्रों का एकीकरण उनके लिए राष्ट्रीय पुनरुत्थान की 'स्वाभाविक आवश्यकता' है। इससे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और बढ़ने [illegible] रही है।

कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की महिला की हत्या, संदिग्ध साथी की तलाश

टोरंटो,30 दिसंबर (एजेंसी)। कनाडा के टोरंटो में एक 30 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की हत्या से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान हिमांशी खुराना के रूप में हुई है। टोरंटो पुलिस ने इसे हत्या से जुड़ा मामला बताया है, जिसका शक पीड़िता के परिचित संदिग्ध पर है। उसकी तस्वीर जारी कर दी गई है और तलाश की जा रही है। आरोपी की पहचान टोरंटो निवासी ही अब्दुल गफूरी (32) के रूप में हुई है। इसे घरेलू हिंसा बताया जा रहा है।टोरंटो पुलिस ने बताया कि उसे शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025 की रात लगभग 10 बजे एक महिला के लापता होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद जांच शुरू की गई। महिला को आखिरी बार कॉल स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके में देखा गया था। पुलिस ने बताया कि अगले दिन शनिवार, 20 दिसंबर को सुबह लगभग 6:30 बजे महिला का शव उसी इलाके में एक आवास के अंदर मिला, जहां से उसके लापता होने की सूचना मिली थी।हत्या को लेकर टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, 'हम टोरंटो में एक युवा भारतीय नागरिक, हिमांशी खुराना की हत्या से बहुत दुखी और हैरान हैं। दुख की इस घड़ी में हम उनके शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों से दूतावास इस मामले पर लगातार नजर रखे हुए है, और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हरसंभव मदद दी जा रही है।'

उस्मान हादी के भाई का यूनुस प्रशासन पर आरोप, कहा- चुनाव विफल कराने को कराई हत्या

ढाका ,30 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश में इंकबाल मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की हत्या को लेकर बवाल जारी है। अब इस मामले में बांग्लादेश की कमाल संभाल रहे अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सवाल उठने लगे हैं। उस्मान के भाई शरीफ उमर हादी ने मोहम्मद यूनुस को ही हत्या का आरोपी बताते हुए आरोप लगाया है कि सरकार के लोगों ने आगामी राष्ट्रीय चुनाव को पटरी से उतारने के लिए उनके भाई की हत्या की साजिश रची थी।रिपोर्ट के अनुसार हादी के बड़े भाई उमर ने ढाका में इंकलाब मंच द्वारा आयोजित 'शाहिदी शोपोथ' कार्यक्रम के दौरान कहा, आप लोगों ने (यूनुस प्रशासन) ही उस्मान हादी को मार डाला है और अब आप इसे एक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल करके चुनाव को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे भाई चाहते थे कि फरवरी तक बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव हो जाएं, लेकिन प्रशासन ऐसा नहीं चाहता था। उमर ने अपने भाई की इच्छा का सम्मान करने और अधिकारियों से चुनावी माहौल को बाधित न करने का आग्रह करते हुए कहा, हत्यारों के खिलाफ जल्द मुकदमा सुनिश्चित करें ताकि चुनावी माहौल में बाधा न आए। सरकार केस की जांच में कोई भी ठोस प्रगति करने में विफल रही है। अगर उस्मान को न्याय नहीं मिला, तो आप भी एक दिन बांग्लादेश से भागने (शेख हसीना के तख्तापलट के दौरान उनके भारत भागने) के लिए मजबूर हो जाएंगे।उमर ने आगे दावा किया कि उसके भाई की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उसने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के सामने घुटने नहीं टेके थे। वह देश में जल्द से जल्द चुनाव कराकर स्थिर सरकार बनाना चाहते थे। इस दौरान प्रदर्शन में मौजूद अन्य प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे सड़कों पर बने रहेंगे और उस्मान को न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रखेंगे। वह उस्मान को न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठाने को तैयार हैं।इंकलाब मंचो के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने आरोप लगाया है कि उस्मान की हत्या जुलाई विद्रोह की उपलब्धियों और बांग्लादेश की संप्रभुता को नष्ट करने की गहरी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा, उस्मान की हत्या में अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियां और देश के अंदर सक्रिय फासीवादी सहयोगी शामिल थे।

ग्लोबल टीवी बांग्लादेश को धमकी, प्रदर्शनकारियों ने कहा- पत्रकार नाजनीन को हटाओ वरना सबकुछ जला देंगे

ढाका ,30 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश के ढाका में निजी टेलीविजन चैनल ग्लोबल टीवी बांग्लादेश को जलाने की धमकी मिली है, जिसने पड़ोसी देश में मीडिया के हालात पर चिंता पैदा कर दी है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि ग्लोबल टीवी पत्रकार नाजनीन मुन्नी को नौकरी से निकाले या प्रोथोम आलो और डेली स्टार जैसा अंजाम भुगतने को तैयार रहे। बता दें कि पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान प्रमुख समाचार पत्रों प्रोथोम आलो और द डेली स्टार के कार्यालयों पर आगजनी की गई थी।पत्रकार नाजनीन ने फेसबुक में लिखा, भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन की नगर इकाई के 7-8 लोग मेरे कार्यालय आए और धमकी दी कि अगर मैंने अपनी नौकरी नहीं छोड़ी, तो वे प्रोथोम आलो और द डेली स्टार की तरह कार्यालय में आग लगा देंगे। हालांकि, संगठन के अध्यक्ष रिफत राशिद ने धमकी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि आरोपी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि संगठन जुलाई में सत्ता विरोधी प्रदर्शन में शामिल था।नाजनीन ने बताया कि जिस समय धमकी दी गई, उस समय वह कार्यालय में नहीं थीं। उन्होंने बताया कि कुछ युवकों ने टीवी के प्रबंध निदेशक (एमडी) से पूछा कि उन्होंने नाजनीन मुन्नी को क्यों रखा है वह अवामी लीग की समर्थक हैं। उन्हें हटा हादी की मौत की खबर को पर्याप्त नहीं चलाया गया।

सम्पादकीय...

भूमिका बनाते राहुल गांधी !

विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी ने अपने जर्मनी के दौरे के दौरान बर्लिन के हर्टी स्कूल में 'राजनीति सुनने की कला है' विषय पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 में हुए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। गांधी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग के समक्ष औपचारिक रूप से चिंता जताई थी लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीआइ और ईडी को केंद्र ने अपना हथियार बना लिया है। इनके जरिये विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। राहुल ने कहा कि देखिए, ईडी और सीबीआइ के पास भाजपा के लोगों के खिलाफ कितने मामले हैं? आपको उत्तर शून्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा भारत के संस्थागत ढांचे को अपना मानती है और इसलिए वह इसका उपयोग अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए करती है। देखिए, भाजपा के पास कितना पैसा है और विपक्ष के पास कितना है। आपको 30:1 का अनुपात दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्रिय रूप से तरीके विकसित करने चाहिए। राहुल ने हाल की चुनावी जीतों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीते हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ अपने आरोपों को दोहराते हुए कहा कि हमारे देश के संस्थागत ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला हो रहा है। हमने चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछे। हरियाणा में एक ब्राजीलियाई महिला 22 बार मतदान सूची में थी... हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने बर्लिन में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी का हर विदेश दौरा अब भारत-विरोधी राजनीति का मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि विदेशी धरती पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना राजनीतिक आलोचना नहीं, बल्कि देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की सुनियोजित कोशिश है। बर्लिन में यह कहना कि भारत में कुछ भी निष्पक्ष नहीं है और संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है, लोकतंत्र पर हमला है। चुघ ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगेंडा के नेता, पर्यटन के नेता और पलायन की राजनीति के नेता बन चुके हैं। वह जहां जाते हैं, आरोप लगाते हैं और फिर जवाबदेही से भाग जाते हैं। देश की संस्थाओं, लोकतांत्रिक ढांचे और शासन प्रणाली को लगातार अपमानित करना उनकी राजनीतिक पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जिनकी सरकार का कार्यकाल देश की लूट और घोटालों के काले अध्याय के रूप में दर्ज है, उन्हें आज नैतिकता का पाठ पढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। 3जी घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, कोयला घोटाला और नेशनल हेराल्ड जैसे मामलों ने कांग्रेस शासन की सच्चाई उजागर की थी। ऐसे लोग आज भारत पर सवाल उठाएं, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी जो कुछ कह रहे हैं या कर रहे हैं, वह एक सोची समझी नीति के तहत ही कर रहे हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी दोनों ही जमानत पर हैं। देर-सवेर उन पर शिकंजा कसेगा, इसी बात को ध्यान में रखकर वह केंद्रीय एजेंसियों पर निशाना साधते रहते हैं। राहुल गांधी पर जिस दिन शिकंजा कसेगा उस दिन वह यही कहेंगे कि मैंने तो पहले ही कहा था कि सरकारी एजेंसियां सरकार के कहने पर ही चलती हैं। मैंने केंद्र सरकार की अतीत में आलोचना की थी, इसलिए मेरा शिकंजा कसा गया। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी बर्लिन में अपने लिए भूमिका ही बना रहे हैं। राहुल गांधी बर्लिन में अगर यह भी बता देते कि केंद्र सरकार ने किन-किन मामलों में राहुल गांधी सहित गांधी परिवार पर मुकद्दमें दर्ज किए हैं और अपनी स्थिति स्पष्ट कर देते तो शायद सुनने वालों को सत्य समझने में देर न लगती। विदेशियों को धरातल के सत्य से परिचित कराना अब सरकार की जिम्मेवारी है क्योंकि एक पक्षीय बयान से जो भ्रम पैदा हुए हैं उनको दूर कराना सरकार का ही काम है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में कौन मारेगा बाजी?

नीरज कुमार दुबे

साल 2025 भारतीय राजनीति में सत्ताधारी एनडीए के लिये विजय का वर्ष रहा। दिल्ली और बिहार में मिली निर्णायक जीत ने भारतीय जनता पार्टी के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर विपक्ष के लिये यह साल निराशा, विघटन और हताशा का प्रतीक बन गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पराजित हुई और बिहार में कांग्रेस, राजद और वाम दलों का महागठबंधन लगभग साफ हो गया। लेकिन राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। 2026 एक नये युद्ध का वर्ष है जहां सत्ता की जड़ें हिलाने के लिए विपक्ष फिर से प्रयास करेगा।

हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मार्च से मई 2026 के बीच होने वाले इन चुनावों के लिये सभी दल अभी से तलवारें निकाल चुके हैं। अभी से नेताओं के भाषणों में आग है, रणनीतियों में धार है और हर कदम सत्ता की लालसा से भरा हुआ है।

सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक मजबूत किले की तरह खड़ी है, लेकिन इस किले की दीवारों पर अब लगातार भगवा हमले हो रहे हैं। 2016 में मात्र तीन सीटों पर सिमटी भाजपा 2021 में 77 सीटों तक पहुंच गयी। यह उछाल संयोग था या स्थायी चुनौती, इसका फैसला 2026 करेगा। ममता बनर्जी 213 सीटों और लगभग आधे वोट प्रतिशत के साथ सत्ता में हैं, लेकिन सत्ता का बोझ भारी होता है। महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय असंतोष अब उनके सामने खड़े बड़े सवाल हैं। भाजपा पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है और बिहार की जीत के बाद उसका हौसला दोगुना है। वहीं कांग्रेस और वाम दल अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उनका संकट यह है कि जनता अब उन्हें गंभीर विकल्प मानने को तैयार नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूचियों में हो रहे बदलाव ने बंगाल की राजनीति में आग और घी का काम किया है। अल्पसंख्यक और शहरी क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तन चुनावी गणित को पूरी तरह पलट सकते हैं।

वहीं तमिलनाडु की बात करें तो राज्य हमेशा से द्रविड राजनीति का गढ़ रहा है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच सत्ता की रस्साकशी अब एक बार फिर चरम पर है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक मजबूत स्थिति में है, लेकिन सत्ता विरोधी लहर की आहट साफ सुनाई दे रही है। रोजगार, नीट, बिजली दरें और प्रशासनिक अपेक्षाएं सरकार के लिये अग्निपरीक्षा हैं। अन्नाद्रमुक और भाजपा का गठबंधन इस बार ज्यादा संगठित दिख रहा है। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीसामी का दावा है कि यह मोर्चा 200 से अधिक सीटें जीत सकता है। लेकिन इस गणित को सबसे ज्यादा बिगाड़ने वाला नाम है विजय। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम पहली बार मैदान में है और युवा वर्ग में उसका असर नकारा नहीं जा सकता। हालांकि करूर की भगदड़ की घटना ने विजय की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है।

वहीं असम को देखें तो राज्य में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा भाजपा के सबसे आक्रामक चेहरों में गिने जाते हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने के बावजूद सत्ता विरोधी भावना अब उभर रही है। सरमा का दावा है कि एनडीए 100 से अधिक सीटें जीतेगा, लेकिन राजनीति में दावे अक्सर जमीनी सच्चाई से टकराते हैं। कांग्रेस के लिये यह करो या मरो की लड़ाई है। नये प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के सामने चुनौती है कि वह लोकसभा चुनावों की सफलता को विधानसभा में बदल सकें। हालांकि दस साल की सत्ता के खिलाफ माहौल बनाना आसान नहीं, खासकर तब जब विपक्षी वोट विभाजित हों। एआईयूडीएफ का रुख यहां निर्णायक साबित हो सकता है।

उधर, केरल की राजनीति हमेशा सत्ता परिवर्तन के लिये जानी जाती रही है, लेकिन वाम मोर्चा इस परंपरा को तोड़ चुका है। अब तीसरी बार सत्ता में लौटने का सपना देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन विकास और निरंतरता के नाम पर जनता से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस नीत मोर्चे के लिये यह अस्तित्व की लड़ाई है। यदि इस बार भी नाकामी हाथ लगी तो केरल में कांग्रेस और कमजोर हो जायेगी। भाजपा के लिये भी यह चुनाव अहम है। यदि एक भी सीट वह जीतती है तो केरल की राजनीति में नया अध्याय शुरू होगा।

इस बीच, पुडुचेरी में एनडीए की सरकार अंदरूनी कलह से जूझ रही है। मंत्री का इस्तीफा, दलित असंतोष और गठबंधन की कमजोरी सत्ता को अस्थिर बना रही है। द्रमुक यहां अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश में है और कांग्रेस केवल इतना चाहती है कि उसका नाम प्रदेश की राजनीति से न मिटे।

बहरहाल, 2026 के चुनाव सत्ता और विपक्ष, दोनों का इम्तिहान है। यह चुनाव केवल सरकारें नहीं बदलेंगे, यह तय करेंगे कि लोकतंत्र में विकल्प जिंदा हैं या नहीं। देखा जाये तो 2026 का रण सिर्फ सत्ता का नहीं, भविष्य का है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

योगेंद्र योगी

मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था।

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है। यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से निपटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा।

फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25% मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं।

मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने—प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

वक्त आत्म-निरीक्षण का

मेसी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, वह अजीबोगरीब ही है। इसीलिए अभिनव बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म-निरीक्षण का है।

अभिनव बिंद्रा ने वह कहा, जो आखिरकार किसी को कहना चाहिए था। विनेश फोगट ने उसमें अपना स्वर जोड़ा, तो उससे वो बात और वजनदार हुई है। लायोनेल मेसी बेशक फुटबॉल के सर्वकालीन सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनकी उपलब्धियां बेशुमार हैं। इस कारण उनके प्रशंसक भारत सहित दुनिया भर में मौजूद हैं। अतः लोग मेसी को देखना चाहें, तो उसमें कुछ अजूबा नहीं है। लेकिन जब लोगों की इस इच्छा का भौंडा कारोबारी इस्तेमाल हो, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी हो जाता है।

तो ओलिंपिक्स में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता ने पूछा है कि क्या एक समाज के तौर पर हम खेल संस्कृति बना रहे हैं, या किंवदंती बन चुकी दूर देश की किसी शख्सियत का उत्सव भर मना रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी गौरतलब है: 'करोड़ों रुपये मेसी के पास जाने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए खर्च कर दिए गए। यह बिल्कुल ठीक बात है कि पैसा लोगों का है और यह उनका अधिकार है कि वे इसे कैसे खर्च करें। फिर भी मैं यह सोच कर तकलीफ महसूस करता हूं कि जितनी ऊर्जा एवं धन लगाए गए, उसका एक हिस्सा भी अगर अपने देश में खेल की बुनियाद में लगाया गया होता, तो उससे क्या हासिल हो सकता था।'

ओलिंपियन विनेश फोगट ने कहा है- 'मैं उम्मीद करती हूं कि कोई वक्त आएगा, जब हम सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए सचमुच खेल के लिए जाग सकेंगे।' इन टिप्पणियों में एक बेमकसद तमाशे को देख कर दो ऐसे खिलाड़ियों का दर्द झलका है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। जिस देश में खिलाड़ियों के आगे बढ़ने की राह में खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की कमी से लेकर यौन शोषण के खतरों तक की बाधाएं आती हों, वहां एक मशहूर विदेशी खिलाड़ी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, उस पर आक्रोश ही जताया जा सकता है। इसीलिए बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म-निरीक्षण का है'।

युद्ध, संघर्ष, सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट और अस्थिरता से साल भर जूझती रही दुनिया

नीरज कुमार दुबे

साल 2025 की शुरुआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा।

साल 2025 वैश्विक राजनीति के इतिहास में एक ऐसे वर्ष के रूप में दर्ज हुआ, जिसने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब स्थिरता की ओर नहीं, बल्कि अस्थिरता, टकराव और सत्ता संघर्ष की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। यह साल लोकतंत्र और तानाशाही, शांति और युद्ध, संवाद और टकराव के बीच की रेखाओं को और धुंधला कर गया। कहीं चुनावों के जरिए सरकारें बदलीं, कहीं बंदूकों की नली से सत्ता हथियाई गई, तो कहीं युद्ध और सीमित संघर्षों ने मानवता को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया।

2025 की शुरुआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक आक्रामक, राष्ट्रवादी और टकरावपूर्ण नजर आया। उनकी नीतियों ने वैश्विक व्यापार, सुरक्षा गठबंधनों और कूटनीतिक संतुलन को झकझोर दिया। अमेरिका की विदेश नीति फिर से 'अमेरिका फर्स्ट' की राह पर लौटती दिखी, जिससे यूरोप से लेकर एशिया तक सहयोगी देशों में असहजता बढ़ी। ट्रंप की शैली ने मित्र देशों को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या अमेरिका अब भरोसेमंद साझेदार रह गया है।

इसके अलावा, 2025 में कई देशों में नई सरकारों का गठन हुआ। कुछ देशों में यह सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम था, तो कुछ जगहों पर राजनीतिक अस्थिरता की देन। अफ्रीका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र के कई छोटे-बड़े देशों में चुनावों के बाद नए नेतृत्व सामने आए। इन सत्ता परिवर्तनों ने यह दिखाया कि लोकतंत्र अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट हुआ कि लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं। कई देशों में कमजोर जनादेश, बिखरी संसद और अस्थिर गठबंधन सरकारों ने शासन को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

हम आपको बता दें कि जहाँ कुछ देशों ने चुनावों का रास्ता चुना, वहीं 2025 तख्तापलटों का भी गवाह बना। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सेना ने लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ले ली। सत्ता परिवर्तन की यह प्रवृत्ति खासतौर पर उन क्षेत्रों में दिखी, जहाँ पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता, गरीबी और आतंकवाद मौजूद था। सेना द्वारा कई देशों में सत्ता पर कब्जा यह संकेत देता है कि कई देशों में लोकतंत्र अभी भी जड़ें नहीं जमा पाया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद तख्तापलटों का सिलसिला यह सवाल खड़ा करता है कि क्या वैश्विक व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम है?

इसके अलावा, साल 2025 में दक्षिण एशिया की उथल-पुथल की कहानी में नेपाल एक अहम उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ सत्ता परिवर्तन की पटकथा किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि जेन-जी आंदोलन ने लिखी। बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और अवसरों की कमी से त्रस्त युवा पीढ़ी ने सड़कों पर उतरकर पारंपरिक राजनीति को सीधी चुनौती दी। सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-ही-देखते जनआक्रोश में बदल गया, जिसने सरकार की नींव हिला दी। प्रदर्शन इतने व्यापक और उग्र हुए कि सत्ता प्रतिष्ठान को झुकना पड़ा और अंततः सरकार गिर गई। नेपाल का यह घटनाक्रम इस बात का संकेत बना कि अब सत्ता परिवर्तन केवल संसद या बंदूक से नहीं, बल्कि डिजिटल पीढ़ी की संगठित आवाज़ से भी संभव है। यह आंदोलन केवल सरकार विरोधी नहीं था, बल्कि दशकों से जमी हुई राजनीतिक जड़ता और वंशवादी राजनीति के खिलाफ खुला विद्रोह था, जिसने पूरे क्षेत्र को यह चेतावनी दी कि युवा पीढ़ी को नजरअंदाज करना अब सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है।

इसके अलावा, साल 2025 को यदि किसी एक शब्द में समेटा जाए तो वह शब्द है संघर्ष। यह वर्ष दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सुलगती सीमाओं, टूटते समझौतों और बढ़ते सैन्य टकरावों का गवाह बना। दक्षिण एशिया से लेकर मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया तक, शांति केवल काग़ज़ों में सिमट कर रह गई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव और तनाव पूरे साल बना रहा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच कितनी नाज़ुक स्थिति है। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया, जहाँ आतंकवाद, शरणार्थी संकट और सैन्य झड़पें एक-दूसरे में घुलती रहीं।

साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में दुनिया ने एक अप्रत्याशित मोर्चा खुलते देखा, जब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमित युद्ध छिड़ गया। यह संघर्ष इस बात का संकेत था कि क्षेत्रीय विवाद, जो वर्षों से दबे हुए थे, अब खुलकर हिंसक रूप लेने लगे हैं। वहीं मध्य-पूर्व में इज़राइल और हमास के बीच संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया। गाज़ा पट्टी युद्धभूमि में तब्दील होती रही, जहाँ हवाई हमले, रॉकेट फायरिंग और ज़मीनी कार्रवाई ने हज़ारों निर्दोष लोगों की जान ली। यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता रहा।

इसके अलावा, मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा हुआ। ईरान और इज़राइल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। मिसाइल हमले, हवाई हमले और सैन्य चेतावनियों ने यह साफ कर दिया कि एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

इसके अलावा, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध 2025 में भी थमता नजर नहीं आया। यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा। साथ ही अफ्रीका के सैहेल क्षेत्र में चरमपंथी हिंसा और गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी रहीं, जहाँ आम नागरिक सबसे बड़े शिकार बने।

इसी तरह बांग्लादेश में आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और हिंसा ने यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर पनपने वाले टकराव भी किस तरह देश को अस्थिर कर सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता ने सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया।

देखा जाये तो इन सभी संघर्षों ने 2025 में यह साफ कर दिया कि दुनिया किसी एक महायुद्ध की ओर नहीं, बल्कि एक साथ कई छोटे-छोटे युद्धों और स्थायी अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह वह दौर है जहाँ सीमाएं बारूद बन चुकी हैं और शांति सिर्फ भाषणों तक सिमट गई है। इसके अलावा, जहाँ दुनिया संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही थी, वहीं डोनाल्ड ट्रंप 2025 के सबसे चर्चित नेताओं में से एक बने रहे। हालांकि उनकी लोकप्रियता सर्वसम्मत नहीं थी। एक ओर उनके समर्थक उन्हें मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रवादी नेता मानते रहे, वहीं दूसरी ओर आलोचक उन्हें विभाजनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाला नेता बताते रहे। ट्रंप की लोकप्रियता दरअसल इस बात का प्रतीक बनी कि दुनिया भर में राजनीति अब सहमति नहीं, बल्कि ध्रुवीकरण से चल रही है।

बहरहाल, 2025 ने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब पुराने संतुलन की ओर नहीं लौटने वाली। सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, युद्ध और वैचारिक टकराव आने वाले वर्षों की भूमिका लिख चुके हैं। यह साल इस सच्चाई का आईना बन गया कि शांति अब अपवाद बनती जा रही है और संघर्ष नई सामान्य स्थिति। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद, कूटनीति और सहयोग का रास्ता नहीं चुना, तो 2025 आने वाले बड़े संकटों की शुरुआत साबित होगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हरिद्वार के राजाजी नेशनल पार्क इलाके में बदनाम वनंतरा रिज़ॉर्ट के बाहर लोग, सोशल एक्टिविस्ट, और यूकेडी और जन अधिकार पार्टी के सदस्यों ने अंकिता भंडारी के लिए न्याय और मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु : पानी की कमी से अथिकाडवु-अविनाशी परियोजना प्रभावित, किसानों ने जताई चिंता

चेन्नई ,30 दिसंबर (एजेंसी)। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) ने माना है कि अथिकाडवु-अविनाशी सिंचाई परियोजना के तहत कई जलाशयों में इस साल पर्याप्त पानी नहीं मिला। साथ ही भरोसा दिलाया कि अगले मानसून सीजन में इन इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

फ्लैगशिप प्रोजेक्ट 17 अगस्त, 2024 को चालू हुआ, जिसका मकसद भवानी नदी के अतिरिक्त पानी को कोयंबटूर, तिरुपुर और इरोड जिलों में 1,045 जल निकायों को फिर से भरने के लिए मोड़ना है। इस प्रोजेक्ट के तहत, इस साल वितरण के लिए 1.5 हजार मिलियन क्यूबिक फीट आवंटित किया गया था।

जयराम रमेश ने अरावली की पुनर्परिभाषा पर उठाए सवाल, बोले- अखंडता होगी खंडित

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसी)। अरावली पर्वत श्रृंखला की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से चार सवाल पूछे और दावा किया कि यह कदम पूरी पर्वत श्रृंखला की भौगोलिक और पारिस्थितिकीय अखंडता को कमजोर करेगा।केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर व्यापक चिंताएं हैं, जो उन्हें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भूआकृतियों तक सीमित कर देती है।रमेश ने पूछा, इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचार के लिए चार विशेष प्रश्न उठाने की अनुमति दें। क्या यह सच नहीं है कि राजस्थान में अरावली पहाड़ियों और श्रृंखलाओं की परिभाषा 2012 से, 28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें कहा गया था।

तीन डिग्री या उससे अधिक की ढलान वाले सभी क्षेत्रों को पहाड़ियों के रूप में परिभाषित किया जाएगा। साथ ही नीचे की ओर 100 मीटर चौड़ी बफर जोड़ी जाएगी ताकि 20 मीटर की पहाड़ी ऊंचाई के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के समोच्च अंतराल के बराबर है। इन परिभाषित क्षेत्रों में आने वाले समतल क्षेत्र, टेबलटाप, गड्ढे और घाटियां,पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी। उन्होंने पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि एफएसआइ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को 20 सितंबर,2025 को एक संचार में कहा था कि अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं रेगिस्तानकरण के खिलाफ प्राकृतिक बाधाओं के रूप में कार्य करती हैं। भारी रेत के कणों को रोककर- इस प्रकार दिल्ली और पड़ोसी मैदानों को रेत के तूफानों से बचाती हैं।

म्यांमार चुनाव: सैन्य तख्तापलट के बाद पहले चरण में कम मतदान, संकट गहराया

नई दिल्ली,30 दिसंबर(एजेंसी)। म्यांमार में चरणबद्ध आम चुनाव का पहला चरण रविवार को समाप्त हो गया। 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद पहली बार हुए इन चुनावों में कम मतदान के संकेत मिले हैं। तख्तापलट के बाद लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों को कुचलने और देशव्यापी विद्रोह को भड़काने वाली सैन्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा के बावजूद कहा कि यह इस देश में राजनीतिक स्थिरता लाएगा। रविवार को हुए मतदान में मतदाताओं की संख्या 2020 के चुनाव की तुलना में काफी कम रही। मतदान के अगले चरण 11 जनवरी और 25 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे, जिनमें म्यांमार की 330 बस्तियों में से 265 में मतदान होगा। हालांकि, सैन्य शासन का इन सभी क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं है। तख्तापलट के बाद गठित सशस्त्र समूह और लंबे समय से स्थापित जातीय सेनाएं देश के बड़े हिस्से में सेना से लड़ रही हैं, जिससे 36 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं और एशिया के सबसे भीषण मानवीय संकटों में से एक उत्पन्न हो गया है। चुनाव के अंतिम परिणाम की तिथि अभी घोषित नहीं की गई है। सरकारी

मीडिया एमआरटीवी पर प्रसारित फुटेज में सैन्य शासन प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग लोगों से मतदान करने की अपील करते नजर आ रहे हैं।

जयपुर में कॉलेज परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया छात्र, इमारत से कूदकर दी जानजयपुर। जयपुर के बगरू इलाके में शनिवार को एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्र ने कथित तौर पर परीक्षा में नकल के दौरान पकड़े जाने के बाद तनाव में आकर निर्माणाधीन इमारत की 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान प्रियांशु राज के रूप में हुई है। वह पटना का रहने वाला था और मणिपाल यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष का छात्र था। वह कालेज हॉस्टल में रह रहा था।थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े जाने पर छात्र की आंसर शीट और नोट्स जब्त कर लिए गए थे, जिसके बाद वह मानसिक तनाव में था। इसके बाद उसने एक स्कूटर किराए पर लिया और कालेज से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित एक निर्माणाधीन इमारत में पहुंचा। पुलिस के अनुसार छात्र ने कूदने से पहले 12वीं मंजिल पर दीवार के पास अपना बैग और मोबाइल रख दिया था। इमारत पर काम कर रहे मजदूरों ने गिरने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। गंभीर हालत में छात्र को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।तलाशी के दौरान पुलिस ने 12वीं मंजिल से छात्र का बैग और मोबाइल बरामद किया। बैग में पहचान संबंधी दस्तावेजों के साथ जहर और पानी की एक बोतल भी मिली है।

सीरिया के लताकिया में अलावी समुदाय के प्रदर्शनों में तीन की मौत, हिंसा भड़की

लताकिया,30 दिसंबर(एजेंसी)। सीरिया के अलावी बहुल इलाके लताकिया में रविवार को विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह बाद में हिंसक हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। यह प्रदर्शन सीरिया में अलावी मस्जिद पर हुए घातक बम विस्फोट के बाद आयोजित किया गया था।सीरिया में लंबे समय से सत्ता में रहे नेता बशर अल-असद, जो मुस्लिम अलावी अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं, को पिछले साल सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। उनकी जगह सुन्नी नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता संभाली थी। तब से सीरिया में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं।रविवार को लताकिया शहर के अजहरी चौक पर हजारों अलावी प्रदर्शनकारी सीरिया में एक विकेन्द्रीकृत राजनीतिक व्यवस्था और हजारों अलावी कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर जमा हुए। प्रदर्शन शुरू होने के दो घंटे बाद, एक अज्ञात स्थान से गोलियों की आवाज सुनाई दी। सुरक्षा बलों ने हवा में गोलियां चलाईं और प्रदर्शन हिंसक हो गया। तीन लोग मारे गए और 40 से अधिक घायल हुए। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी हताहत अजहरी स्क्वायर में हुए या अन्य शहरों में जहां प्रदर्शन हो रहे थे।

बिना इजाजत बनाया, उग्रवादियों के नाम... मणिपुर में रिंग रोड के काम को हाईकोर्ट ने रोकने का क्यों दिया आदेश?

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर [एजेंसी]। मणिपुर में एक ऐसी रिंग रोड का मामला सामने आया है जिसे राज्य सरकार की मंजूरी के बिना बनाया गया। यह रोड 6 जिलों के जंगलों से होकर गुजरती है। यह मामला तब सामने आया जब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने मणिपुर सरकार को रिंग रोड पर और कोई निर्माण कार्य न करने का आदेश दिया। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एनजीटी ने मणिपुर के मुख्य सचिव को छह प्रभावित जिलों के मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने के लिए कहा। यह जंगल वाला रिंग रोड उस सरकारी मंजूरशुदा रिंग रोड जैसा नहीं है जो एशियन डेवलपमेंट बैंक की मदद से

राज्य की राजधानी इम्फाल में बन रहा है। कोलकाता में एनजीटी की ईस्टर्न जोन बेंच का यह आदेश मणिपुर के मैतेई समुदाय के सिविल सोसाइटी संगठनों की अंब्रेला बॉडी, की ओर से दायर एक निवेदन पर आया है, जिसमें सड़क बनाने वालों को तुरंत काम रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। ने एनजीटी में अपनी अर्जी में कहा कि जंगल वाले इलाकों में सड़क बनाने का काम पूरे पर्यावरण और भूवैज्ञानिक सुरक्षा मूल्यांकन के बिना जारी नहीं रखा जा सकता। संगठन ने प्रोजेक्ट साइट का निरीक्षण करने, रिपोर्ट देने और किसी भी नियम तोड़ने वाले को सजा देने के लिए विशेषज्ञों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाने की मांग की। एनजीटी ने कहा कि आवेदक ने उन्हें बताया कि चुराचांदपुर, कांगपोकपी, नोनी और उखरुल जिलों में जंगल और पहाड़ी इलाकों से गुजरने वाली सड़क पर निर्माण कार्य कुकी समुदाय की ओर से किया जा रहा है। एनजीटी ने कहा, जैसा कि वर्ल्ड कुकी-जो इंटेलेक्चुअल काउंसिल द्वारा 5 फरवरी, 2025 को सौंपे कोलकाता में एनजीटी की ईस्टर्न जोन बेंच का यह आदेश मणिपुर के मैतेई समुदाय के सिविल सोसाइटी संगठनों की अंब्रेला बॉडी, की ओर से दायर एक निवेदन पर आया है, जिसमें सड़क बनाने वालों को तुरंत काम रोकने का निर्देश देने की मांग की गई

राहुल बाबा थकिए नहीं, कांग्रेस की तमिलनाडु और बंगाल विधानसभा चुनाव में हार तय: अमित शाह

अहमदाबाद,30 दिसंबर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा हार से थकिये नहीं, क्योंकि कांग्रेस का आगामी तमिलनाडु और बंगाल विधानसभा चुनाव भी हारना तय है। कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई पार्टी जनता की हर पसंद का विरोध करती है तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से बाहर है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझने में विफल रहे हैं।

देहरादून में एक समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित जोड़े पोज़ देते हुए, जिसमें लगभग 51 जोड़ों ने शादी की।

त्रिपुरा छात्र एंजल हत्याकांड: सीएम धामी का आश्वासन, सभी आरोपित होंगे गिरफ्तार

नईदिल्ली, 30 दिसम्बर [एजेंसी]। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उनके उत्तराखंड समकक्ष पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजल चकमा की हत्या के लिए जिम्मेदार सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने पश्चिम त्रिपुरा में पत्रकारों से कहा कि मैंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पहले ही इस दुखद घटना के बारे में बात की है, जिसमें नंदननगर निवासी छात्र एंजेल चकमा को 9 दिसंबर को देहरादून में कुछ बदमाशों ने बुरी तरह पीटा और बाद में उसका ग्राफिक एरा अस्पताल में निधन हो गया।उन्होंने इसे दुखद बताते हुए कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उन्हें सूचित किया कि इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक फरार है।

इस घटना से अवगत दिल्ली नेतृत्व ने भी उत्तराखंड सरकार को आवश्यक निर्देश दिए हैं ताकि पीड़ित के परिवार को न्याय मिले। वहीं, त्रिपुरा के उद्योग व वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने भी छात्र एंजल की मौत पर दुख व्यक्त किया। ध्यान रहे पश्चिम त्रिपुरा के 24 वर्षीय एंजल चकमा पर 9 दिसंबर को देहरादून में छह लोगों ने उस पर हमला किया और 26 दिसंबर को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

दिग्विजय सिंह के आरएसएस वाले बयान पर सियासी घमासान, थरूर और खुर्शीद का समर्थन

नई दिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसी)।

आरएसएस की संगठनात्मक मजबूती का हवाला देकर कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की बात कहने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के ट्वीट ने सियासी हलकों में बहस तेज कर दी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन किया है, वहीं भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी की आंतरिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के भीतर भी इस बयान को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई दिए, हालांकि पार्टी नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की। दरअसल, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से ठीक पहले शनिवार को दिग्विजय सिंह ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा की थी।इस पोस्ट में उन्होंने आरएसएस-बीजेपी की संगठनात्मक ताकत का जिक्र करते हुए कहा था कि कैसे एक जमीनी कार्यकर्ता अपने नेताओं के चरणों में बैठकर सीखता है और आगे चलकर मुख्यमंत्री तथा फिर प्रधानमंत्री बनता है। इसी संदर्भ में उन्होंने कांग्रेस संगठन को भी जमीनी स्तर पर मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया था और कहा था कि भाजपा को सत्ता से बाहर करने की लड़ाई में यह बेहद जरूरी है। इस ट्वीट के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। आलोचनाओं के बीच रविवार को दिग्विजय सिंह ने अपने बयान का बचाव करते हुए साफ किया कि उन्होंने केवल आरएसएस के संगठनात्मक ढांचे की बात की है, न कि उसकी विचारधारा की। उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, वह कह दिया है। मैं आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करता हूं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि उनका संगठन मजबूत है। दिग्विजय ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और उनके बयान को

लेकर पार्टी में फूट डालने की भाजपा की कोशिशें नाकाम होंगी। उन्होंने भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी और आरएसएस-बीजेपी की विचारधारा में बुनियादी अंतर है और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उनके मुताबिक, हर संगठन को समय-समय पर आत्ममंथन कर खुद को मजबूत करना पड़ता है। इस पूरे विवाद पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संतुलित प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। थरूर के मुताबिक, किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन और जमीनी स्तर पर मजबूती जरूरी होती है। उन्होंने दिग्विजय के बयान को इसी संदर्भ में देखने की बात कही।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि उनके बयान की शब्दावली और संदर्भ को समझना बेहद जरूरी है।खुर्शीद ने कहा कि यह सोचना भी असंभव है कि दिग्विजय सिंह कांग्रेस या देश के हितों के खिलाफ कोई बात कहेंगे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि दिग्विजय ने बहुत सधे हुए शब्दों में अपनी बात रखी है और उनके बयान का मूल उद्देश्य कांग्रेस और देश को मजबूत करना है। हालांकि, खुर्शीद ने इस दौरान आरएसएस की विचारधारा पर तीखा हमला भी बोला।उन्होंने फिल्म शोले का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह गब्बर सिंह के नाम से डर का माहौल बनाया जाता था, उसी तरह समाज को डर या भय के जरिए नहीं चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई डकैत भी मजबूत हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपने बच्चों को डकैत बनने की सीख दें।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि भाजपा दिग्विजय की पोस्ट की भावना को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आरएसएस से कांग्रेस को कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने विवाद को बेवजह करार देते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह पूरी तरह पार्टी के लिए समर्पित हैं और उनके बयान को अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है।भाजपा ने इस मुद्दे को कांग्रेस पर हमलावर होने के लिए इस्तेमाल किया। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने लंबे समय बाद यह स्वीकार किया है कि भाजपा का संगठन मजबूत है।उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर तंज कसते हुए राहुल गांधी की पार्टी के भीतर भूमिका और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने भी पूछा कि दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के आंतरिक मामलों को लेकर इस तरह का सार्वजनिक ट्वीट क्यों किया।

बर्थडे पार्टी, सिगरेट जैसी चीजें और डैशकैम फुटेज... उदयपुर में आईटी मैनेजर से गैंगरेप मामले में क्या खुलासा हुआ?

उदयपुर, 30 दिसम्बर [एजेंसी]। उदयपुर में चलती कार में एक महिला मैनेजर के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म के आरोप में एक स्थानीय आईटी कंपनी के सीईओ समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना कथित तौर पर 20 दिसंबर को सीईओ की बर्थडे पार्टी के बाद हुई। आरोपियों ने कुछ नशीला पदार्थ खिलाया और उसके बाद पीड़िता बेहोश हो गई और बाद में उसे अपने शरीर पर चोटें मिलीं। बताया जा रहा है कि कार के डैशकैम फुटेज में हमला और आरोपियों के बीच बातचीत रिकॉर्ड हुई है। मामले में 23 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद गिरफ्तारियां हुईं और चार दिन की पुलिस रिमांड मिली। आरोपियों की पहचान आईटी कंपनी के सीईओ जयेश सिसोदिया, एग्जीक्यूटिव हेड गौरव सिरोही और उनकी पत्नी शिल्पा के रूप में हुई है। आरोप है कि यह हमला सुखेर इलाके में हुआ। इससे पहले शोभागपुरा के एक होटल में रात करीब 9 बजे कंपनी की बर्थडे पार्टी शुरू हुई थी और सुबह 1.30 बजे तक चली।दूसरे मेहमानों के जाने के बाद पीड़िता अकेली रह गई। आरोपियों ने उसे घर छोड़ने का ऑफर दिया और उसे कार में ले गए। रास्ते में तीनों ने कथित तौर पर सिगरेट जैसी चीजें खरीदीं और पीड़िता को उन्हें कंज्यूम करने के लिए मजबूर किया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश आने पर पीड़िता ने बताया कि सीईओ ने उसके साथ छेड़छाड़ की और एग्जीक्यूटिव हेड के पति ने उसके साथ दुष्क किया। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद, आरोपी कथित तौर पर उसे सुबह करीब 5 बजे तक घर नहीं छोड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार के डैशकैम ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग में पूरा हमला रिकॉर्ड हो गया, जिसे पीड़िता ने सबूत के तौर पर पेश किया। मेडिकल जांच में पीड़िता को मामूली चोटें पाई गईं, जिससे उसके बयानों की पुष्टि हुई।सुखेर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गैंगरेप का मामला दर्ज किया गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया।

6 महीने में 13 पैडलर्स ग्रुप के 53 गिरफ्तार:नशा करने वालों से पैडलर्स खुद कर रहे संपर्क, नया नेटवर्क खड़ा करने की तैयारी

रायपुर,30 दिसंबर (एजेंसी)। पुलिस ने पिछले 6 महीने मं रायपुर में सक्रिय 13 पैडलर्स ग्रुप पर कार्रवाई की है। इनमें 53 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी जेल में बंद है। इस तरह से पुलिस ने रायपुर में ड्रग्स के बड़े नेटवर्क को तोड़ने का प्रयास किया है। हालांकि पुलिस की इस सख्ती और कार्रवाई के बावजूद रायपुर में लगातार ड्रग्स आ रहा है।रायपुर में ड्रग्स सप्लाई के नेटवर्क में इन दिनों बड़ा बदलाव हुआ है। पहले राजस्थान और पंजाब के तस्कर लोकल पैडलर्स के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई करते थे, लेकिन पुलिस की सख्ती के बाद अब वे लोकल पैडलर्स पर भरोसा नहीं कर रहे हैं।

अब तस्कर खुद ही आकर ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं। इसका खुलासा स्टेशन रोड स्थित एक होटल से पकड़े गए पैडलर्स से हुआ है। पूछताछ में कैलाश ने बताया कि वह पाकिस्तान से ड्रग्स लेकर आया था। पहले वह लोकल पैडलर्स के जरिए ड्रग्स की डिलीवरी देता था, लेकिन वे जेल में बंद हैं, इसलिए अब खुद डिलीवरी देने आ रहा है।पैटर्न भी बदला, रायपुर में नहीं आसपास के शहरों में दे रहे डिलीवरी

पिछले कुछ दिनों में जिन तस्करों को पकड़ा गया है, उनसे

पूछताछ में तस्करी के नए पैटर्न के बारे में भी पुलिस को अहम जानकारी मिली है। तस्करों ने बताया कि रायपुर में ड्रग्स के खिलाफ सख्ती के बाद पैडलर्स अब राजधानी से लगे आसपास के शहरों में डिलीवरी देने लगे हैं।

इसमें दुर्ग, महासमुंद, धमतरी और बिलासपुर में ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। वहां से अलग-अलग माध्यमों से ड्रग्स रायपुर पहुंचाया जा रहा है। इसके चलते नए नेटवर्क को ट्रैक करने में पुलिस को परेशानी हो रही है, क्योंकि नशा करने वालों को इन शहरों में बुलाया जा रहा है और फिर पार्सल बनाकर ड्रग्स दिया जा रहा है।

पुराने पैडलर्स का अभी भी चल रहा नेटवर्कजेल में बंद पैडलर्स का नेटवर्क अभी भी सक्रिय है। उनके साथी अपने-अपने नेटवर्क के जरिए ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद लोग चोरी-छिपे ड्रग्स मंगा रहे हैं और नशा कर रहे हैं। पुलिस के पास 310 से अधिक ड्रग्स लेने वालों के मोबाइल नंबर है।इनमें से अधिकांश संभ्रांत परिवारों के हैं। इसलिए उन्हें अब तक थाने नहीं बुलाया गया है। अब ये लोग सीधे बड़े पैडलर्स से संपर्क कर रहे हैं। रायपुर और आसपास के शहरों में ऐसे 600 से अधिक लोगों की जानकारी सामने आई है।3 करोड़ का ड्रग्स पुलिस ने पकड़ा रायपुर पुलिस अब तक 13 पैडलर्स ग्रुप के 53 से अधिक लोगों से करीब 3 करोड़ रुपए का ड्रग्स बरामद कर चुकी है। गिरफ्तार तस्करों में सुवित श्रीवास्तव ग्रुप, पिंदर सिंह उर्फ पाबलो, मनमोहन सिंह, नविया उर्फ नाव्या मलिक, विधि अग्रवाल, कमलेश अरोड़ा उर्फ लाली, बगेल सिंह, आयुष दुबे, गगनदीप सिंह, पराग बरछा, अब्दुल करीम, दिलबाग सिंह समेत अन्य शामिल हैं।

अवैध धान कारोबार का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर-रामानुजगंज, 30 दिसंबर (एतेंसी)। थाना सनावल पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में अवैध धान परिवहन, संग्रहण एवं धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 26 दिसंबर की शाम लगभग 8 बजे अवैध रूप से धान ले जा रहे एक पिकअप वाहन को पकड़कर पूछताछ की गई। वाहन चालक के बताए अनुसार कुर्लुडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के घर दबिश दी गई, जहाँ से लगभग 400 बोरी अवैध धान बरामद किया गया।तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में कूटरचित दस्तावेज, चेक बुक, किसान किताबें, बैंक पासबुक, भरे हुए व कोरे विड्रॉल फॉर्म, तौल पर्ची, डायरी तथा नकद राशि 1,67,100 बरामद की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी दूसरे राज्य से सस्ते दामों पर धान लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में विभिन्न किसानों के खातों से विक्रय करते थे।पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि किसानों से पहले ही अंगूठा निशान लेकर अवैध रूप से राशि का आहरण किया जाता था, जिससे किसानों एवं शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाई जा रही थी। इस मामले में श्याम सुन्दर गुप्ता एवं उसके भाई शिवम गुप्ता की संलिप्तता पाई गई।पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 82/ कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

प्रदर्शनकारी हिरासत में:ट्रेलर से बुजुर्ग के जख्मी होने के बाद भड़की हिंसा

रायगढ़/रायपुर,30 दिसंबर (एजेंसी)। रायगढ़ जिले के तमनार के लिबरा में शनिवार दोपहर धरने पर बैठे ग्रामीण और पुलिस के बीच झड़प हुई। हल्के बल प्रयोग के बाद धरनास्थल से कुछ लोगों ने पत्थर फेंके।

भीड़ में कुछ महिलाओं ने टीआई अनिता पुशाम को पीटा। 11 दिसंबर से सीएचपी चौक पर धरना दे रहे ग्रामीणों के साथ ही आसपास के 30 से अधिक गांव के लोग तब उग्र हुए जब यह खबर फैली की आर्थिक नाकेबंदी में फंसे वाहन के हटाने के दौरान एक बुजुर्ग की ट्रेलर की चपेट में आकर मौत हो गई जबकि बुजुर्ग की मौत नहीं हुई, वो गंभीर रूप से घायल थे।

बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए और स्थिति बेकाबू हो गई। ग्रामीणों ने तीन वाहन फूंक दिए। पुलिस अफसर, कर्मचारियों के साथ कुछ ग्रामीण भी घायल हुए हैं। रेंज के दूसरे जिलों से भी पुलिस बल बुलाया गया है। दरअसल 4 से 8 दिसंबर तक तमनार के ग्रामीण धौराभांठा हाईस्कूल के परिसर में धरने पर बैठे थे। ये लोग जिंदल कम्पनी की कोयला खदान के लिए 8 दिसंबर को यहां तय जनसुनवाई का विरोध कर रहे थे। 8 को जनसुनवाई कहीं और करा दी गई। शेष7पेज 15

11 दिसंबर से ग्रामीणों ने सीएचपी चौक लिबरा में धरना शुरू किया। इसमें 30 से अधिक गांव के लोग शामिल हैं। इधर आर्थिक नाकेबंदी भी की गई थी। जिसमें ओडिशा से तमनार

बॉर्डर से जेपीएल तक कोयला लाने वाले वाहन 15 दिनों से अधिक वक्त से खड़े थे। पुलिस ने शनिवार सुबह 10.30 बजे के करीब धरना स्थल से 60 के करीब लोगों को उठाया और तमनार थाने ले गई।

चर्चा होने लगी कि आंदोलनकारी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस अब धरने वाला टेंट भी उखाड़ेगी। इससे भीड़ बढ़ने लगी। दूसरी तरफ हमीरपुर ओडिशा बॉर्डर पर नाकेबंदी में फंसे वाहन रवाना कराए जाने लगे। इसी दौरान एक बुजुर्ग ट्रेलर की चपेट में आए। उनके दोनों पैर कुचले गए।अफवाह फैली की बुजुर्ग की मौत हो गई। धरनार्थियों में कुछ लोग यहां पहुंचे, विवाद हुआ। फिर पुलिस ने कथित रूप से लाठीचार्ज किया। भीड़ ने पत्थर फेंके। इसमें एसडीओपी, टीआई सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

टीआई ने हाथ जोड़े, महिलाएं बरसाती रहीं डंडे: हादसे के बाद धरना स्थल पर महिलाएं धरने पर बैठ गईं। तमनार टीआई कमला पुसाम मौके पर पहुंची। महिलाओं ने उन पर भी पैसा लेने का आरोप लगाया और मारपीट शुरू कर दी। टीआई पुसाम महिलाओं के हाथ जोड़ती रही, लेकिन गुस्साई महिलाओं ने उन पर हाथ-पैर और डंडे बरसाए। मारपीट से टीआई बेहोश हो गई। इस बीच विधायक विद्यावती सिदार मौके पर पहुंची और घायल टीआई अस्पताल लेकर गई।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, एडिशनल एसपी द्वारा लोगों को समझाइश देकर वापस उन्हें धरना के लिए लगाए गए टेंट पर वापस करा दिया गया। बाद में भीड़ उग्र होती रही।

सीएचपी लिबरा, धौंराभाठा सहित प्रभावित 14 गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण हाथ में डंडा और महिलाएं पत्थर लेकर घूम रहे हैं। पुलिस ने 80 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

टिटलागढ़ पैसेंजर ट्रेन में युवक की संदिग्ध मौत, बोगी में फंदे से लटका मिला शव

रायपुर, 30 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को एक ट्रेन के भीतर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना टिटलागढ़ से रायपुर आने वाली पैसेंजर ट्रेन की है, जहाँ ट्रेन के कोच में एक युवक का शव फांसी के फंदे पर झूलता पाया गया।रेलवे स्टाफ में मचा हड़कंपट्रेन जब रायपुर स्टेशन पहुंची, तब कोच के भीतर युवक को लटका देख सफाई कर्मियों और रेलवे स्टाफ के होश उड़ गए। मामले की जानकारी तुरंत रेलवे सुरक्षा बल (क्रक्कस्न) और राजकीय रेलवे पुलिस (त्रक्रक्क) को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर कब्जे में लिया।आत्महत्या या कुछ और? जांच में जुटी पुलिसशुरुआती जांच और घटनास्थल के हालातों को देखते हुए पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर चल रही है। हालांकि, युवक के पास से अब तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे मौत के कारणों पर रहस्य बना हुआ है।पुलिस कार्रवाई के मुख्य बिंदु: शिनाख्त की कोशिश: पुलिस मृतक की पहचान स्थापित करने के लिए उसके पास मिले सामान और हुलिए के आधार पर जांच कर रही है।पोस्टमार्टम: शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही समय और कारण का पता चल सकेगा। बयानों का सिलसिला: पुलिस ट्रेन के स्टाफ और अन्य यात्रियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि युवक ट्रेन में कहाँ से सवार हुआ था।फिलहाल, रेलवे पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहराई से तफ्तीश कर रही है। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया या इसके पीछे कोई और वजह है, यह जांच का विषय बना हुआ है।

कोठारी मार्केट के पीछे गिरा विशाल पुराना पेड़, टली अनहोनी

जगदलपुर, 30 दिसंबर (एजेंसी)। शहर के कोठारी मार्केट के पीछे स्थित एक अत्यंत पुराना और विशाल पेड़ अचानक गिर पड़ा। इस घटना से कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि या चोट की सूचना नहीं है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पेड़ गिरने की आवाज तेज थी, जिससे आसपास मौजूद लोग घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे। सौभाग्यवश उस समय पेड़ के नीचे कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि गिरे हुए पेड़ को जल्द से जल्द हटाया जाए ।

छत्तीसगढ़ में कंपाने वाली ठंड, अंबिकापुर में पारा 4 डिग्री दर्ज

रायपुर, 30 दिसम्बर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं की वजह से लोगों को हाड़ कंपाने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी-मध्य क्षेत्र में इसका असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सर्दी के प्रकोप के साथ-साथ धुंध-कोहरे की मार भी झेलनी पड़ रही है। राज्य के सरगुजा संभाग में ठंडा का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है. भयंकर सर्दी का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि मैनपाट में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो गईं। पेड़-पौधे के पत्तों पर ओस की बूंद बर्फ की तरह जम गईं। इस सीजन में इसी संभाग से लगातार न्यूनतम तापमान मापा जा रहा है। अंबिकापुर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, यहां शनिवार को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दुर्ग में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।सुबह और रात के समय ठंड का असर सबसे देखने को मिल रहा है। सरगुजा संभाग के अंबिकापुर, बलरामपुर, जशपुर, बिलासपुर और पेंड्रा रोड में मौसम विभाग ने शीतलहर अलर्ट जारी किया है। सरगुजा, बिलासपुर और रायपुर संभाग में सर्दी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। ठंड के साथ-साथ धुंध और कोहरे का असर भी देखने को मिल रहा है। सरगुजा संभाग में कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 1-2 किमी हो रही है। वहीं रायपुर, बिलासपुर में हल्की धुंध का असर देखने को मिल रहा है।

गोलमाल:अच्छे कोयला को खराब बता 13 प्रतिशत जीएसटी बचा रहे, बाद में इसे बेच रहे

रायपुर,30 दिसंबर (एजेंसी)। राजधानी समेत प्रदेश के करीब 12 कोल कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद कई खुलासे हुए हैं। अभी तक इन कोयला कारोबारियों से 43 करोड़ से ज्यादा की टैक्स वसूली हो चुकी है। स्टेट जीएसटी को अभी आठ कोल कारोबारियों और 20 से ज्यादा ट्रांसपोर्टरों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले हैं। इसमें ज्यादातर रायपुर और बिलासपुर के कारोबारी हैं।

इनसे 100 करोड़ से ज्यादा का टैक्स मिलने का दावा किया जा रहा है। टैक्स चोरी का खेल रिजेक्ट कोयला से किया जा रहा है। बड़े कारोबारी कोयले में हर बार 30% कोयला खराब या रिजेक्ट बताते हैं। कोयला के रिजेक्ट होने के साथ ही जीएसटी भी 18% से घटकर 5% हो जाती है। बाद में इसी कोयले को अच्छा कोयला बताकर बेच दिया जाता है।रिजेक्ट कोयले की गाड़ी होने की वजह से जांच में भी इसका आसानी से खुलासा नहीं हो पाता है। इस रिजेक्ट कोयले की कमाई को भी कहीं भी नहीं दर्शाया जाता है। जांच में यह भी पता चला है कि इस खेल से कमाई जाने वाली रकम को विदेशों में निवेश किया जा रहा है।रोज लाखों की चोरी,पर पकड़ में नहीं आ रही: कोल कारोबारी रोज 18 से 28 टन वाली हर गाड़ी में इसी तरह का गोलमाल कर रहे हैं।एक दिन में अलग-अलग जगहों से करीब चार हजार कोयला गाड़ी निकलती है। इसमें सबसे ज्यादा

कोरबा कोल खदानों से गाड़ी निकलती है।

इतनी बड़ी संख्या में गाड़ी निकलने की वजह से टैक्स चारों भी लाखों में पहुंच जाती है।छत्तीसगढ़ के कोल कारोबारियों के इंडोनेशिया और साउथ अफ्रीका में भी कनेक्शन मिले हैं। यहां के कोल खदानों में छत्तीसगढ़ के कोल व्यापारियों ने निवेश किया है। यहां से भी कोयला मंगाया जाता है। लेकिन कारोबारी विदेश से आने वाले कोयले को भी स्थानीय खदानों से निकला हुआ बताकर टैक्स की चोरी कर रहे हैं। स्टेट जीएसटी विभाग इसकी भी जांच कर रहा है।जीएसटी रिटर्न में कारोबारी दिखा रहे हैं 100 में 30 फीसदी कोयला खराब हो रहाबाद में इसी कोयले को अच्छा कोयला बताकर बेच रहे, 13% जीएसटी बचाते हैं

कोल कारोबारी और ट्रांसपोर्टरों की नई चेन मिली। ये लंबे समय से जीएसटी में गोलमाल कर रहे हैं।जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि कोल कारोबारी बिना कोयला परिवहन किए आसानी से फर्जी ई-वे बिल भी बना रहे हैं। ई-वे बिल बनाने का सिस्टम इतना आसान है कि इस चोरी को पकड़ना भी मुश्किल है। एक साल की कड़ी जांच के बाद ही कुछ बड़े कारोबारियों के यहां ही इसका खुलासा हो पाया है। यही वजह है कि ई-वे बिल बनाने की प्रक्रिया को मजबूत बनाने नए सिरे से मंथन भी किया जा रहा है।इतना ही नहीं एक ही ई-वे बिल से कोयला की कई खेप को एक शहर से दूसरे शहर और एक राज्य से दूसरे राज्य में पहुंचा दिया जा रहा है। खदानों से निकले कोयले को दूसरी जगहों से मिला है कहकर भी फर्जी ई-वे बिल तैयार हो जा रहा है।

जो टैक्स की चोरी करेंगे उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। फर्जी कंपनियों की लगातार जांच जारी है। विभाग के अफसर पूरे प्रमाण के साथ जांच के लिए पहुंचते हैं। फर्जीवाड़ा करने वालों को हर हाल में टैक्स की रकम सरेंडर करनी ही होगी। -

प्रतिबंध के बावजूद बिक रहा मांझा:संक्रांति से पहले दुकानों से 4 किलो चायनीज मांझा जब्त

रायपुर,30 दिसंबर (एजेंसी)। मकर संक्रांति से पहले निगम प्रशासन ने राजधानी के 4 पतंग दुकानों का औचक निरीक्षण कर साढ़े चार किलो चायनीज मांझा जब्त किया है। पर्यावरण संरक्षण मंडल और निगम की टीम ने 4 दुकानों का निरीक्षण किया, जिसमें से 3 में यह मांझा मिला, जिन्हें जब्त करके सिर्फ समझाईश देने की कार्रवाई की गई है।

बता दें कि मकर संक्रांति पर्व के समय बड़ी संख्या में पतंगबाजी का आयोजन होता है। इसमें खपाने के लिए दुकानदारों ने यह मांझा दुकानों में रखा था। चायनीज मांझा से रायपुर सहित छत्तीसगढ़ में कई घटनाएं घट चुकी हैं। देशभर के अलग-अलग क्षेत्रों में भी गंभीर घटनाओं के बाद इसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

बावजूद इसके दुकानों में इसकी धड़ल्ले से बिक्री हो रही

है। निगम की जोन-4 की टीम और पर्यावरण विभाग ने मिलकर 4 पतंग दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इसमें सिटी पतंग भंडार बूढ़ातालाब से 2 किलो, मोती पतंग भंडार बूढ़ातालाब से 1 किलो और संजय पतंग भंडार सदर बाजार से डेढ़ किलो प्रतिबंधित चाइनीज मांझा मिलने पर जब्त की।

वहीं गोलबाजार के संगम काइट सेंटर का भी औचक निरीक्षण किया। सभी पतंग दुकानदारों को भविष्य में ऐसा नहीं करने की समझाईश दी गई। इस दौरान उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर, फायरमैन जीतेन्द्र यादव, अनिल मांडगे, सुनील क्षत्री मौजूद रहे।

उल्लंघन पर 5 साल की सजा और 1 लाख तक जुर्माना एनजीटी ने 2017 में चायनीज व नायलोन मांझा पर प्रतिबंध लगाया था। उल्लंघन पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 के तहत कार्रवाई की जाती है। इसमें 1 लाख रुपए तक का जुर्माना और 5 साल तक की सजा या फिर दोनों से दंडित होने का प्रावधान है। औचक निरीक्षण कर प्रतिबंधित मांझे को जब्त किया है। आगे इन दुकानदारों पर फाइन और विधिक कार्रवाई के लिए पर्यावरण संरक्षण मंडल की टीम के साथ मिलकर चर्चा कर निर्णय लेंगे।बता दें कि मकर संक्रांति पर्व के समय बड़ी संख्या में पतंगबाजी का आयोजन होता है। इसमें खपाने के लिए दुकानदारों ने यह मांझा दुकानों में रखा था। चायनीज मांझा से रायपुर सहित छत्तीसगढ़ में कई घटनाएं घट चुकी हैं। देशभर के अलग-अलग क्षेत्रों में भी गंभीर घटनाओं के बाद इसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।बावजूद इसके दुकानों में इसकी धड़ल्ले से बिक्री हो रही है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

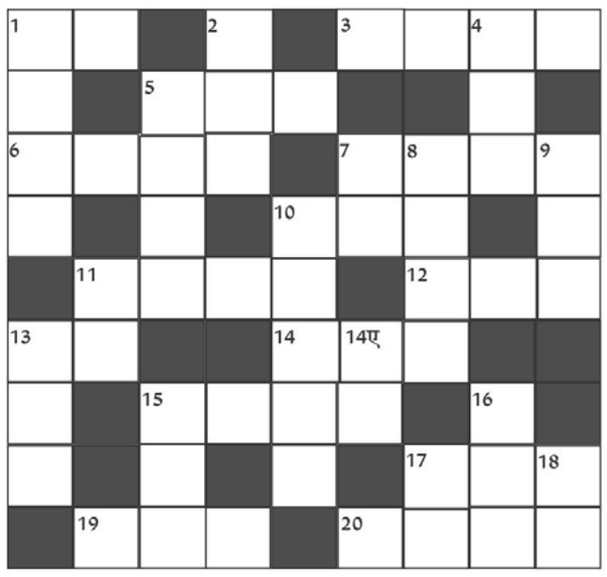

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, बाबर और शाहीन को जगह नहीं

नईदिल्ली,30 दिसंबर(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ 7 जनवरी से शुरू होने वाली 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। शादाब खान की वापसी हुई है, जो कंधे की सर्जरी के कारण टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने इस महीने बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और अन्य पाकिस्तानी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन किया। टी-20 विश्व कप से पहले यह पाकिस्तान की ये आखिरी टी-20 सीरीज होगी।

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी बीबीएल में अपना अभियान जारी रखेंगे, क्योंकि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। बीबीएल में खेल रहे हारिस रऊफ, हसन अली और मोहम्मद रिजवान को भी इस सीरीज के लिए नहीं चुना गया। हालांकि, इन खिलाड़ियों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जरूरत पड़ने पर वे ऑस्ट्रेलिया से लौटने के लिए तैयार हैं।

पीसीबी ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को भरोसा दिलाया था कि बीबीएल के लिए अनुबंधित सभी खिलाड़ी पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसी वजह से बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में अपनी मौजूदा रिजर्व खिलाड़ियों की ताकत पर भरोसा जताया है। आघा सलमान की कप्तानी में घोषित टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज ख्वाजा नफाय को भी मौका दिया गया है, जबकि अब्दुल समद की टीम में वापसी हो गई है।राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने ख्वाजा को पहली बार टीम में जगह दी है। इस बल्लेबाज ने 32 टी-20 मैचों में 688 रन बनाए हैं, उनकी स्ट्राइक रेट 132.81 की रही। उन्होंने इस साल पाकिस्तान सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा।ऐसी है पाकिस्तान की टीम: आघा सलमान (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफाय, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अय्यूब, शादाब खान, उस्मान खान और उस्मान तारीक। खिलाड़ियों ने बोर्ड को बताया था कि वे इस सीरीज में खेलना चाहते हैं, ताकि हालात के अनुसार खुद को ढाल सकें। पाकिस्तान को विश्व कप में अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं और यह सीरीज उसी की तैयारी होगी।

ब्रेट ली को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

नईदिल्ली,28 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इस सम्मान की घोषणा हॉल ऑफ फेम के चेयरमैन पीटर किंग ने की। ब्रेट ली ने अपने शानदार करियर में वनडे क्रिकेट में 380 विकेट चटकाए, जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूप को मिलाकर उनके नाम 718 विकेट दर्ज हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2 बार विश्व कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

ली ने साल 1999 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा और इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 76 टेस्ट खेले। इस दौरान उन्होंने 33.92 की औसत से 310 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 6 बार एक पारी में 5 विकेट लिए, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/49 का रहा। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 221 मैचों में 24 की औसत से विकेट चटकाए। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 25 मैचों में 28 विकेट हासिल किए, उनकी औसत 25.50 की रही।

ली का ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल होना ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में उनके अमूल्य योगदान का बड़ा सम्मान है। वह 2003 की विश्व कप विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे और उस दौर में ऑस्ट्रेलिया की विश्व क्रिकेट पर बादशाहत में उनकी भूमिका बेहद अहम रही। अपनी रफ्तार, घातक यॉर्कर और आक्रामक गेंदबाजी के दम पर ली दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों में शुमार रहे, जिनसे बल्लेबाज हमेशा खौफ खाते थे।ली का सफर एक उभरते तेज गेंदबाज से लेकर ऑस्ट्रेलिया के सुपरस्टार स्ट्राइक बॉलर बनने तक यादगार पलों से भरा रहा है। उन्होंने अप्रैल 1995 में न्यूजीलैंड दौरे पर ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अकादमी की ओर से फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। शुरुआती वर्षों में पीठ की चोटों ने उन्हें काफी परेशान किया, लेकिन अपनी जबरदस्त रफ्तार से उन्होंने सभी का ध्यान खींचा। मैथ्यू हेडन ने भी ली की 'बेहतरीन एक्शन और शानदार रिदम' की जमकर तारीफ की थी।ली ने नवंबर 1997 में सीडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शील्ड क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके एक महीने बाद ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए टीम में जगह मिली, जहां उन्होंने दौरे पर आई दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, वह विकेट नहीं ले सके, लेकिन अपनी रफ्तार से सबको प्रभावित किया। मार्च 1999 में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान ली ने 9/39 का प्रदर्शन किया और फिर जिम्बाब्वे क्रिकेट अकादमी के खिलाफ 8/52 लेकर सभी को चौंका दिया।

अलविदा 2025: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन गेंदबाजों ने चटकाए सबसे ज्यादा विकेट

नईदिल्ली,30 दिसंबर(एजेंसी)। साल 2025 में कई गेंदबाजों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान कई तेज और स्पिन गेंदबाजों ने अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान किया और लगातार विकेट चटकाकर मैच का रुख बदला। टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों प्रारूप में इन गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई, बल्कि बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। आइए जानते हैं 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज कौन रहे?

इस सूची में पहले स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जैकब डफी हैं। उन्होंने साल 2025 में 36 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और इसकी 39 पारियों में 17.11 की उम्दा औसत के साथ 81 विकेट चटकाए। उन्होंने 4 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/34 का रहा। डफी ने इस साल 4.26 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की।दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से 2 गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी और मैट हेनरी हैं। जिम्बाब्वे के मुजारबानी ने साल 2025 में 31 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इसकी 34 पारियों में 27.58 की औसत से 65 विकेट लिए। उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। हेनरी ने 27 मैच की 29 पारियों में 16.87 की औसत से 65 विकेट लिए। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार ही 5 विकेट हॉल चटकाए।

बहरीन क्रिकेट टीम के अली दाऊद इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2025 में 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और इसकी 37 पारियों में 11.28 की शानदार औसत के साथ 63 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 7/19 का रहा। इस खिलाड़ी ने 5.47 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की।इस सूची में चौथे स्थान पर भारतीय टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव हैं। उन्होंने साल 2025 में 25 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भारत के लिए खेले। इसकी 28 पारियों में 20.48 की उम्दा औसत के साथ 60 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने 5 बार 4 विकेट हॉल अपने नाम किए। वहीं, 1 बार इस खिलाड़ी ने 5 विकेट हॉल भी लिया। कुलदीप का साल 2025 में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/82 का रहा।इस सूची में पहले स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जैकब डफी हैं। उन्होंने साल 2025 में 36 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और इसकी 39 पारियों में 17.11 की उम्दा औसत के साथ 81 विकेट चटकाए। उन्होंने 4 बार 4 विकेट हॉल और 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/34 का रहा। डफी ने इस साल 4.26 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की।दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से 2 गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी और मैट हेनरी हैं। जिम्बाब्वे के मुजारबानी ने साल 2025 में 31 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले।

ऋषभ पंत वनडे टीम से होंगे बाहर, ईशान किशन की वापसी तय

नईदिल्ली,30 दिसंबर(एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज 11 से 18 जनवरी के बीच खेली जाएगी, जिसके लिए जल्द ही टीम का ऐलान होगा। टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हैं और ऋषभ पंत का बाहर होना तय माना जा रहा है। ऐसे में घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन की वापसी के रास्ते खुल सकते हैं। उनके लगातार दमदार प्रदर्शन ने उन्हें एक बार फिर सभी प्रारूप में मजबूत दावेदार बना दिया है।

पंत ने भारत के लिए आखिरी वनडे 7 अगस्त 2024 को श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला था। इसके बाद वह लगातार वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें टीम में जरूर चुना गया, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक अब चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड सीरीज के लिए पंत से आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है।रिपोर्ट के मुताबिक पंत की गैरमौजूदगी में ईशान की वनडे टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। 2 साल से ज्यादा समय बाद ईशान को फिर मौका मिल सकता है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे 11 अक्टूबर 2023 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। इसके बाद घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर ईशान ने अपने दम पर चयनकर्ताओं का ध्यान दोबारा खींचा है और मजबूत दावेदारी पेश की है।ईशान ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाकर सबका ध्यान खींचा और झारखंड को टूर्नामेंट का पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी दमदार प्रदर्शन के चलते उन्हें भारत की टी-20 विश्व कप 2026 टीम में चुना गया। ईशान ने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में शतक जड़कर अभियान खत्म किया।

वैभव सूर्यवंशी को मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

नईदिल्ली,30 दिसंबर (एजेंसी)। महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने साबित कर दिया है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। बिहार से ताल्लुक रखने वाले इस युवा क्रिकेट सनसनी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान खींचा है। खेल के मैदान में शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ वैभव को देश के प्रतिष्ठित बाल सम्मानों में से एक से भी नवाजा गया है। नई दिल्ली में उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में 26 दिसंबर को होने वाला यह सम्मान समारोह वैभव के करियर का यादगार लम्हा बन गया। दिल्ली पहुंचे इस 14 वर्षीय खिलाड़ी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। इसके बाद वैभव समेत अन्य चयनित प्रतिभाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का अवसर मिलेगा। वैभव बिहार क्रिकेट टीम के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रहे थे। हालांकि, इस सम्मान समारोह के कारण वह दूसरा मुकाबला नहीं खेल पाएंगे।

वैभव का इस पुरस्कार के लिए चयन उनके लगातार शानदार प्रदर्शन का नतीजा है। उन्होंने बिहार की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में ऐसा कारनामा किया, जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने महज 84 गेंदों में तूफानी 190 रन ठोकते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का दम दिखाया।

यह रिकॉर्डतोड़ पारी घरेलू क्रिकेट में उनकी पहचान को और मजबूत करने वाली साबित हुई, जिससे वह देश के सबसे विस्फोटक युवा बल्लेबाजों में शुमार हो गए।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो 5 से 18 वर्ष की उम्र के बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार हर साल साहस, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रदान किया जाता है।

व्यापार

भारतीय बाजार में छाई रूसी शराब, पहले दस महीनों में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

मॉस्को भारत में रूसी शराब की मांग तेजी से बढ़ रही है। जनवरी-अक्टूबर 2025 में रूस ने वोडका, जिन, व्हिस्की और लिक्योर सहित 520 टन शराब, लगभग 9 लाख डॉलर की कीमत में निर्यात की। यह वजन में तीन और मूल्य में चार गुना बढ़ोतरी है, जिससे भारत रूसी शराब के लिए आकर्षक बाजार बन गया है।

भारत में रूसी शराब का निर्यात इस साल पहले 10 महीनों में पिछले साल की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसी कृषि मंत्रालय के कृषि निर्यात विकास केंद्र के आंकड़ों को लेकर फाइनेंशियल और ट्रेड अखबार 'वेडोमोस्ती' ने बताया कि भारत में वोडका, जिन, व्हिस्की और लिक्योर जैसी शराबों की मांग तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में जनवरी से अक्तूबर के बीच रूसी शराब उत्पादकों ने लगभग 520 टन शराब भारत को भेजी। बता दें कि 520 टन शराब की कीमत करीब नौ लाख अमेरिकी डॉलर थी। यह वजन में तीन गुना और मूल्य में चार गुना अधिक है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि यह भारत को रूसी शराब निर्माताओं के लिए आकर्षक उभरता हुआ बाजार बना रहा है। मामले में एग्रोएक्सपोर्ट का कहना है कि इस निर्यात में वोडका मुख्य चालक रही। 10 महीनों में वोडका का निर्यात करीब 7.6 लाख डॉलर का रहा। हालांकि भारत केवल 14वें स्थान पर था, निर्यात में इसका विकास दर सबसे ज्यादा रही। टन और राजस्व के हिसाब से भारत का हिस्सा क्रमश 1.3 प्रतिशत और 1.4-1.5 प्रतिशत रहा। गौरतलब है कि रूसी शराब के अन्य बड़े आयातक देशों में कजाखस्तान, जॉर्जिया, चीन, अज़रबैजान, आर्मेनिया और बेलारूस शामिल हैं।

रिटर्न देने में ब्लूचिप शेयरों से इस साल पिछड़ गए मिड-स्मॉलकैप शेयर, पहले दिया था भारी-भरकम मुनाफा

नई दिल्ली। इस साल बीएसई सेंसेक्स ने करीब 9 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले दो साल की तेज बढ़त, रुपये की कीमत में गिरावट और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से मिड-स्मॉलकैप पर दबाव पड़ा।

बीएसई सेंसेक्स के इस पूरे कैलेंडर साल में 9 फीसदी का फायदा देने के बीच मिड और स्मॉलकैप शेयरों ने निवेशकों को निराश किया है। हालांकि, ब्लूचिप यानी बड़े शेयरों ने अच्छा रिटर्न दिया।

विश्लेषकों के मुताबिक, मिड और स्मॉलकैप शेयरों में इसलिए कम फायदा मिला, क्योंकि 2023 और 2024 में इन दोनों ने बहुत ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया था।विशेषज्ञों के मुताबिक, डॉलर की तुलना में रुपये में भारी गिरावट, अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता को लेकर चिंताओं और लगातार विदेशी निधियों की निकासी ने भी बाजार में जोखिम से बचने की योजना को बढ़ावा देने में मदद की। विशेषज्ञों का मानना है कि स्मॉलकैप और मिडकैप सूचकांकों का दृष्टिकोण सतर्कतापूर्वक आशावादी बना हुआ है। जैसे-जैसे मूल्यांकन कम होगा और आय की स्पष्टता में सुधार होगा, भारत की स्थिर अर्थव्यवस्था वृद्धि और मजबूत घरेलू तरलता के समर्थन से चुनिंदा अवसर उभरेंगे।स्मॉलकैप से घाटा

मिडकैप से सिर्फ 0.77 फीसदी रिटर्न24 दिसंबर तक बीएसई मिडकैप सूचकांक में सिर्फ 360.25 अंकों या 0.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, बीएसई

स्मॉलकैप इंडेक्स में 3,687 अंकों या 6.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 7,269.69 अंकों या 9.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ है।स्थानीय निवेशकों का लक्ष्य छोटे शेयरों पर: छोटे शेयरों को स्थानीय निवेशक खरीदते हैं। विदेशी निवेशक ब्लू-चिप या बड़ी कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जब बाजार में समय के साथ बदलाव होता है, जैसा कि सितंबर, 2024 से हो रहा है, तो छोटे और मिडकैप शेयरों का प्रदर्शन आमतौर पर कम रहता है। इस लिहाज से इस वर्ष सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में छोटे और मिडकैप शेयरों का कम प्रदर्शन आश्चर्यजनक नहीं है।2024 में 29 फीसदी से अधिक फायदा2024 में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक ने 29 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया। मिडकैप सूचकांक में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तरह की तेजी ने मूल्यांकन को उच्च स्तर पर पहुंचा दिया, खासकर छोटी कंपनियों में जहां आय वृद्धि मूल्य वृद्धि के साथ तालमेल नहीं रख पाई। वैश्विक अनिश्चितता के बीच बाजार के निवेशकों ने मजबूत खाताबही और स्थिर आय अनुमान वाली लार्जकैप कंपनियों पर ध्यान केंद्रित किया।ऐसा रहा स्मॉल और मिडकैप का प्रदर्शन: बीएसई मिडकैप सूचकांक ने इस वर्ष 18 नवंबर को 47,549 का 52 सप्ताह का उच्च स्तर छुआ। पिछले साल 24 सितंबर को 49,701 के स्तर को छुआ था। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 3 जनवरी, 2025 को एक साल के शीर्ष स्तर 56,497 पर पहुंच गया।बीएसई सेंसेक्स के इस पूरे कैलेंडर साल में 9 फीसदी का फायदा देने के बीच मिड और स्मॉलकैप शेयरों ने निवेशकों को निराश किया है। हालांकि, ब्लूचिप यानी बड़े शेयरों ने अच्छा रिटर्न दिया।विश्लेषकों के मुताबिक, मिड और स्मॉलकैप शेयरों में इसलिए कम फायदा मिला, क्योंकि 2023 और 2024 में इन दोनों ने बहुत ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया था।विशेषज्ञों के मुताबिक, डॉलर की तुलना में रुपये में भारी गिरावट, अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता को लेकर चिंताओं और लगातार विदेशी निधियों की निकासी ने भी बाजार में जोखिम से बचने की योजना को बढ़ावा देने में मदद की। विशेषज्ञों का मानना है कि स्मॉलकैप और मिडकैप सूचकांकों का दृष्टिकोण सतर्कतापूर्वक आशावादी बना हुआ है।

विजन आईएएस पर 11 लाख जुर्माना, परीक्षा परिणामों को लेकर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने का आरोप

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूपीएससी परिणामों को लेकर भ्रामक विज्ञापन देने पर विजन आईएएस पर 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। जांच में पाया गया कि संस्थान ने छात्रों की सफलता को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया और यह नहीं बताया कि कई छात्र पूरे पाठ्यक्रम के नहीं थे।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के 2022 और 2023 के परिणामों के संबंध में वेबसाइट पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए विजन आईएएस (अजय विजन एजुकेशन प्रा.लि.) पर 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

सीसीपीए की आयुक्त व उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया, वेबसाइट पर सीएसई-2023 के लिए लिखा था शीर्ष-10 में 7 और शीर्ष-100 में 79 चयनित। सीएसई-2022 में शीर्ष-50 में 39 छात्र चुने गए थे। इनके साथ सफल उम्मीदवार की फोटो और नाम भी लगाए गए थे। इससे लगता था कि ये सभी टॉपर्स संस्थान के फुल कोर्स वाले छात्र हैं। लेकिन असल में कई तो टेस्ट सीरीज या छोटे कार्यक्रम में थे।

जानकारी छिपाई

संस्थान ने शुभम कुमार (यूपीएससी सीएसई-2020 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले) के चुने गए विशिष्ट पाठ्यक्रम अर्थात जीएस फाउंडेशन बैच (कक्षा छात्र) का खुलासा तो किया, पर जानबूझकर अन्य सफल उम्मीदवारों के चुने गए पाठ्यक्रमों की जानकारी छिपा दी।

सिर्फ तीन उम्मीदवारों ने लिया दाखिला : सीसीपीए ने पाया कि संस्थान ने यूपीएससी सीएसई-2022 और 2023 में 119 से अधिक सफल उम्मीदवारों का दावा किया था। हालांकि, केवल तीन उम्मीदवारों ने फाउंडेशन कोर्स में दाखिला लिया था।

उपभोक्ता हेल्पलाइन से 42 करोड़ वापस मिले

नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन की मदद से अप्रैल से दिसंबर के बीच 30 क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को 42.6 करोड़ रुपये की राशि वापस दिलाई गई है। इससे कई मामलों को कोर्ट तक जाने की जरूरत नहीं पड़ी। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, हेल्पलाइन के जरिये 63,800 से ज्यादा रिफंड से जुड़ी शिकायतें सुलझाई गईं। 2025 में 1.4 लाख से ज्यादा उपभोक्ता मामलों का निपटारा किया गया। 90,000 से अधिक सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुईं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 450 से ज्यादा नोटिस जारी किए और

बजट में संस्थागत सुधारों और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को मिले बढ़ावा', भारतीय उद्योग परिसंघ की सरकार से

नई दिल्ली। सीआईआई ने सरकार से आगामी बजट में संस्थागत सुधारों और मजबूत राजकोषीय प्रबंधन पर जोर देने की अपील की है। संगठन के अनुसार, उच्च विकास दर और कम महंगाई की मौजूदा गति को बनाए रखना जरूरी है। सीआईआई ने कर जीडीपी अनुपात बढ़ाने और कर चोरी पकड़ने के लिए डिजिटल और विश्लेषणात्मक साधनों के उपयोग का सुझाव दिया है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से बजट में संस्थागत सुधारों और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देने की अपील की है। इससे देश की विकास गति को

बरकरार रखा जा सकेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, भारत ने उच्च विकास दर, कम महंगाई और बेहतर राजकोषीय संकेतकों का एक दुर्लभ संगम हासिल किया है। अगले केंद्रीय बजट को अनुशासित राजकोषीय प्रबंधन और गहन संस्थागत सुधारों के माध्यम से इस गति को बनाए रखना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट पेश कर सकती हैं। सीआईआई ने सरकार को कर चोरी का पता लगाने के लिए विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करने का सुझाव दिया।

बनर्जी ने कहा, देश को कर जीडीपी अनुपात को 17.5 फीसदी (केंद्र व राज्यों को मिलाकर) से बढ़ाने की जरूरत है। भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे के आंकड़ों का उपयोग कर चोरी का पता लगाने और कर आधार को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

दूसरे दिन भी जारी रही अधिकारी कर्मचारियों की हड़ताल

कार्यालयों में कामकाज रहा प्रभावित

फेडरेशन की प्रमुख 11 सूत्रीय मांग

1)केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों एवं पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता।

2)डी.ए. एरियर्स की राशि कर्मचारियों को जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए।

3)सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए।

4)लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए।

5)प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए संपूर्ण सेवा लाभ दिया जाए। पंचायत सचिवों का शासकीयकरण किया जाए।

6)सहायक शिक्षकों एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान दिया जाए एवं नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन एवं समयबद्ध पदोन्नति दिया जाए।

7)अनुकंपा नियुक्ति नियमों में 10 प्रतिशत सीलिंग में शिथिलीकरण किया जाए।

8)प्रदेश में कैशलेस सुविधा लागू की जाए।

9)अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिवस की जाए।

10)दैनिक, अनियमित, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की ठोस नीति बने।

11)सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष की जाए।

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला इकाई कोरबा के आह्वान पर आयोजित 3 दिवसीय हड़ताल के दूसरे दिन मंगलवार को भी आंदोलन जारी रहा। जिले के कर्मचारी एवं अधिकारियों द्वारा 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तानसेन चौक में आंदोलन किया जा रहा है। आंदोलन 31 दिसंबर तक जारी रहेगा। आंदोलन के दूसरे दिन भी असर दिखा। दफ्तर खुले पर कामकाज नहीं हुए। दूसरी ओर से शीतकालीन अवकाश के बाद खुलने वाले स्कूलों में हलचल की जगह सूनापन बना रहा। बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं अधिकारी हड़ताल में शामिल रहे।

जो शासन की कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। आंदोलन में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को रखा। तीन दिवसीय आंदोलन की घोषणा के बाद तानसेन चौक पर शामिल होने के लिए पंडाल लगाया गया है। हड़ताल में कहने को तो जिले भर के प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। पर मौके पर देखकर ऐसा लग रहा था मानो वाहनों का चक्काजाम है। फेडरेशन के 11 सूत्रीय मांगों में केंद्रीय कर्मचारियों के समान नियत तिथि से मंगाई भत्ता देने, चार स्तरीय समय मान वेतनमान लागू करने, सभी कर्मचारी एवं अधिकारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, अर्जित अवकाश नगदीकरण की सीमा बढ़ाकर 300 दिन करने, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि कर 65 वर्ष करने, सभी विभागों की वेतन विसंगति दूर करने, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवागणना करते हुए सभी लाभ दिलाने सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

हड़ताल को सीपीआई ने दिया समर्थन

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव पवन कुमार वर्मा ने कहा कि जानकारी मिली है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन अपने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में तीन दिवसीय हड़ताल पर है। तीन दिन विरोध प्रदर्शन करेंगे। सीपीआई का आरोप है कि छत्तीसगढ़ सरकार की उदासीन रवैया से त्रस्त आकर कर्मचारियों को यह कदम उठाना पड़ रहा है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के 11 सूत्रीय मांगों को जायज बताते हुए आंशिक समर्थन करती है। छत्तीसगढ़ सरकार से मांग की है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की जायज मांगों को तत्काल पूर्ण किया जाए।

हाथी ने किसानों की सब्जी की फसल को किया चौपट

करतला रेंज में दंतैल हाथी की मौजूदगी से दहशत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के करतला रेंज में दंतैल हाथी का उत्पात लगातार जारी है। दंतैल हाथी रेंज के सेंद्रीपाली सर्किल में विगत कई दिनों से विचरण कर रहा है और लोगों के बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे केला, गन्ना व अन्य सब्जी के पौधों को उत्पात मचा कर तहस-नहस कर दे रहा है। जिससे क्षेत्रवासी परेशान है। बीती रात दंतैल हाथी ने पुन: सर्किल के नवाडीह में उत्पात मचाते हुए 3 ग्रामीणों के बाड़ी में प्रवेश किया और वहां लगे सब्जी के पौधों को तहस-नहस कर दिया है, जिससे संबंधितों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिये जाने पर वन विभाग का अमला सुबह यहां पहुंचा और रात में दंतैल द्वारा किये गये नुकसानी का आंकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की, जिसे अधिकारियों को सौंपा जायेगा। दंतैल हाथी कोरबा एवं कटघोरा में 3 लोगों को मारने के बाद यहां पहुंचा है और करतला रेंज के जंगलों में डेरा डाल दिया है। दंतैल हाथी पहले 3 दिन तक बड़मार क्षेत्र में डटा रहा फिर आगे बढक़र पीडिया पहुंचा और वहां एक दिन रहने तथा उत्पात मचाने के बाद सेंद्रीपाली क्षेत्र में पहुंच गया है। दंतैल हाथी को क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में चारा व पानी मिल रहा है तथा यहां का माहौल भी अनुकूल है, जिसे देखते हुए दंतैल हाथी ने यहां डेरा जमा दिया है। उधर कटघोरा वनमण्डल के जटगा रेंज में भी बड़ी संख्या में दंतैल हाथी मौजूद है। हाथियों का यह दल दिनभर विश्राम करने के बाद सायं को जंगल से निकलता है और आसपास चारा चरने के बाद पुन: वापस लौट जाता है।

नए साल के जश्न में हुड़दंग मचाया तो खैर नहीं

पुलिस सिखाएगी सबक, होगी कड़ी कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नए साल के स्वागत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। क्राइम-फ्री माहौल बनाए रखने के लिए चौक-चौराहों और पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस जवानों की तैनाती होगी। शराब पीकर बाइक चलाने और हुड़दंग करने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। बिना अनुमति डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा। तेज आवाज में डीजे या साउंड सिस्टम बजाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

शराब पीकर वाहन चलाने, तीन सवारी बैठाने और तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर भी सख्त नजर रखी जाएगी। पुलिस की टीम पूरी रात आउटर सड़कों पर पेट्रोलिंग करेगी।

विशेष पेट्रोलिंग और अतिरिक्त बल भी फील्ड पर मौजूद रहेंगे। सड़क पर रुककर या सार्वजनिक स्थानों पर केक काटना, भीड़ एकत्र कर हुड़दंग मचाना प्रतिबंधित रहेगा। चलती गाड़ी के दरवाजे, बोनट या छत पर खड़े होकर स्टंट करना या वीडियो बनाना प्रतिबंधित रहेगा। शराब पीकर वाहन चलाना (ड्रिंक एंड ड्राइव) पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। सड़क पर रेसिंग करना, ट्रिपल राइडिंग करना या खतरनाक स्टंट-बाइकिंग करने पर कार्रवाई होगी। बिना अनुमति डीजे बजाना या तेज आवाज में साउंड सिस्टम चलाना प्रतिबंधित रहेगा। गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार या सार्वजनिक शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

मेडिकल शिक्षा में प्रोफेसरों की कमी का साया

मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पड़े हैं खाली

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नियमित प्राध्यापकों की कमी ने मेडिकल शिक्षा की लचर व्यवस्था को उजागर कर दिया है। मेडिकल कॉलेज में पीजी कक्षा संचालन के लिए तीन स्तर के प्राध्यापकों की नियुक्ति करने का प्रावधान है। इनमें प्राध्यापक के अलावा एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं। 22 आवश्यक पदों में केवल चार पद ही भरे हैं। इससे अध्यापन का अनुमान लगाया जा सकता है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के संचालन को चार साल बीत चुके है। लंबे अंतराल बाद भी पीजी क्लास के लिए प्रोफेसर के आवश्यक 96 पद में से 50 पद खाली हैं। प्राध्यापकों की पर्याप्त भर्ती नहीं होने की वजह से अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वाध्याय के दम पर ही पढ़ाई करनी पड़ रही है। इसी तरह एसोसिएट प्रोफेसर के 32 में 16 और असिस्टेंट प्रोफेसर के 42 में 12 पद खाली हैं। शिक्षा 2025-26 में एमबीबीएस की प्रथम बैच निकलेगी। स्नातक के विद्यार्थियों को एमडी की पढ़ाई के लिए बाहर जाना न पड़े इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने एनएमसी से पांच विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए अनुमति मांगी थी। इनमें एनेस्थिसिया, मेडिसीन, गायनी, पेट्रियॉटिक और सर्जरी शामिल थे। जिसमें चार विषयों के लिए एनएमसी ने अनुमति दे दी है। पेट्रियाटिक के लिए प्राध्यापक पद खाली होने की वह से कॉलेज प्रबंधन को केवल चार विषय में पीजी कक्षा के लिए संतुष्ट होना पड़ा है। पीजी कक्षा के एडमिशन को नेशनल मेडिकल काउंसिल ने अनुमति दे दी है। एनेस्थिसिया, मेडिसीन, गायनी और सर्जरी में पोस्ट ग्रेजुएशन करने वालों के लिए 13 सीटें निर्धारित की गई है। ऑल इंडिया रिजर्व कोटे के छह सीट के लिए एडमिशन शुरू हो गया है। वहीं राज्य कोटे की रिजर्व सीट में एडमिशन के लिए अभी भी इंतजार है। मेडिकल कॉलेज खुलने के साथ कई कोर्स शुरू होने थे, लेकिन पहले से ही जमीन सीमित होने से आइटी कॉलेज परिसर में डेंटल और नर्सिंग की पढ़ाई शुरू करना संभव नहीं हो सका है। नए भवन बनने के बाद ही छात्रों को इन विषयों में प्रवेश का अवसर मिलेगा।

चौकीदार के सूने मकान से नगदी व जेवरात की चोरी

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की हो रही तलाश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चौकीदार के घर चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने सोने-चांदी के जेवर और 60 हजार रुपये नकद पार कर दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

थाना सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया खरमोरा निवासी ओम सोनी अपनी पत्नी के साथ निवास करता है। वह फ्लाई ऐश फैक्ट्री खरमोरा में रात्रि चौकीदारी का काम करता है। ओम सोनी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह 25 दिसंबर की रात करीब 8 बजे घर में ताला बंद कर पत्नी के साथ ड्यूटी पर चला गया था। 26 दिसंबर की सुबह करीब 5 बजे ड्यूटी से वापस लौटने पर देखा कि मेन गेट का ताला लगा हुआ था, लेकिन दरवाजे का कब्जा तोड़कर चोर घर में घुस गए थे। चोरों ने दीवान में रखे एक जोड़ी सोने के कान के टॉप्स, एक चांदी की पायल और 60 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। पास की फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर करीब पांच संदिग्ध नजर आए हैं, जो रात करीब 1:54 बजे घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देते दिखाई दे रहे हैं। वह चौकीदारी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण कर रहा था और घर में रखे पैसे उसकी जमा पूंजी थे। चोरी के बाद उसकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। इस मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में नशेड़ी और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की मौजूदगी के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने इलाके में नियमित पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

निशुल्क शिविर से लौट रहे डॉक्टर पर जानलेवा हमला, आईएमए ने दी आंदोलन की चेतावनी

आईएमए ने कहा चिकित्सा सेवा पर सीधा प्रहार

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने इस हमले की तीखी निंदा की है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. एस. चंदानी एवं सचिव डॉ. अजय स्वर्णकार ने संयुक्त बयान में कहा कि डॉक्टरों पर हमला केवल व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था और समाज के विश्वास पर हमला है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था लागू नहीं की गई, तो डॉक्टर सामूहिक एवं लोकतांत्रिक कदम उठाने को मजबूर होंगे।

आईएमए की प्रमुख मांगें

0 घटना में शामिल सभी दोषियों की तत्काल और निष्पक्ष गिरफ्तारी हो।

0 स्वास्थ्य शिविरों, अस्पताल परिसरों और फील्ड ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों को ठोस सुरक्षा दी जाए।

0 भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के गेवरा-दीपका क्षेत्र में एक दुस्साहसिक घटना सामने आई है। ग्राम रलिया में सीएसआर के तहत एसईसीएल आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर से लौट रहे नेहरू शताब्दी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अर्पण विश्वास पर कुछ युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के बाद चिकित्सा समुदाय में भारी आक्रोश है और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को ग्राम रलिया में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था। इलाज के लिए पहुंचे ग्रामीण रामनारायण पटेल को डॉ. विश्वास ने नियमपूर्वक कतार (लाइन) में खड़े होकर उपचार कराने को कहा। इस बात पर पटेल ने आपत्ति जताई और डॉक्टर को देख लेने की धमकी दी। आरोप है कि शिविर समाप्त होने के बाद जब डॉ. अर्पण विश्वास, स्टाफ और एम्बुलेंस कर्मियों के साथ वापस लौट रहे थे, तभी रामनारायण पटेल, नीरज पटेल और दो अन्य युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने डॉक्टर के साथ गाली-गलौज करते हुए उन पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। इस हमले में डॉक्टर की आंख, सीने और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। किसी तरह जान बचाकर डॉक्टर और स्टाफ वहां से निकले और दीपका थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। हरदीबाजार थाना पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एनसीएच अस्पताल के सीएमएस डॉ. कल्याण सरकार ने भी मानव संसाधन स्टाफ ऑफिसर को लिखित शिकायत देकर डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

शराबी वाहन चालकों पर की गई कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वर्ष के अंत और नए साल से पहले सड़क सुरक्षा, अनुशासन व आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने इस सप्ताह विशेष चेकिंग अभियान शुरू की है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों को पकड़कर कार्रवाई की जा रही है। 22 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चले अभियान के दौरान शहर समेत सभी थाना-चौकी क्षेत्र में वाहन जांच की गई। इस दौरान 79 वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गए, जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक नशे की हालत में वाहन चलाने पर किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और प्रत्येक मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे भी इसी प्रकार नाइट चेकिंग व सघन कार्रवाई जारी रहेगी जिससे नववर्ष के अवसर पर कोई भी अप्रिय घटना न हो सके और नागरिक निर्भय होकर सुरक्षित आवागमन कर सकें।

पूज्य चालीहे महोत्सव का समापन 4 को, निकलेगी शोभायात्रा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिंधी समाज के ईष्टदेव सांई झूलेलाल का चालीहा महोत्सव श्रद्धा भाव से श्री झूलेलाल मंदिर? रानी रोड कोरबा में मनाया जा रहा है। श्री झूलेलाल मंदिर? महिला सेवा समिति के द्वारा प्रत्येक दिवस श्री धूनी साहब करके भगवान झूलेलाल की महिमा का वर्णन किया जा रहा है।

जिसमें सुबह व शाम बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हो रहे हैं। झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज की ओर से सर्व समाज के कल्याण के लिए मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित की गई है। आयोजन में श्री झूलेलाल सेवा समिति, श्री झूलेलाल मंदिर सेवा महिला समिति व पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से सहयोग किया जा रहा है। पूज्य चालीहे महोत्सव का समापन 4 जनवरी रविवार को किया जाएगा। श्री चालीहा साहब का समापन 4 जनवरी को होगा। इस दिन सुबह 11 बजे से श्री बहराणे साहब की पूजा श्री झूलेलाल मंदिर? में शुरू होगी। दोपहर 1 बजे आम भंडारे का आयोजन सिंधु भवन रानी रोड में किया गया है। शाम 4 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो श्री झूलेलाल मंदिर? से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए ठाकुर घाट पुरानी बस्ती तक जाएगी। जहां महाआरती, पल्लव पश्चात चालीहो साहब की ज्योत का परवान करके चालीहो साहब का समापन किया जाएगा।

श्री झूलेलाल मंदिर सेवा समिति कोरबा के सभी सेवादारियों ने सिंधी समाज के साथ-साथ सभी धर्मप्रेमियों से आग्रह किया है कि चालीहो महोत्सव के समापन के सभी कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623